तापमान
अधिकतम 41.0 डिग्री
न्यूनतम 29.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 7 जून 2026

12 महाविद्यालयों में यूजी कोर्स में एडमिशन को लेकर नया...

12 आठ दिन बाद सोमवती अमावस्या डूबकी...

हरियाणा का सबसे बड़ा आयुर्वेदिक हस्पताल

बढ़िया आयुर्वेदिक हस्पताल जिसका आपको इंतजार था-तो अब इंतजार किस बात का

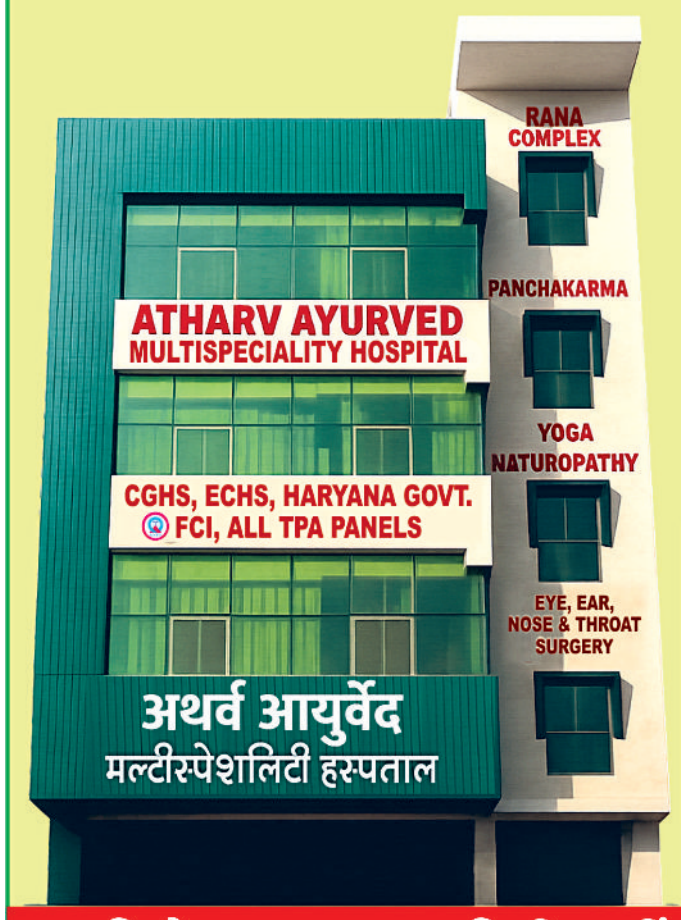

CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.

सभी प्राइवेट पैनल पर

आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी का संगम

Asli Ayurved With Modern Infra
Ayurved with a Difference-Experience it.

अथर्व™ आयुर्वेद
मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल

छोटूराम स्टेडियम के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Contact: 01262-257211
8053928881, 8053128881
Dr. Prince | Dr. Sanjeev Madaan | Dr. Danish

सभी पैनल्स आपकी सेवा में

CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
1. Star Health
2. ICICI Insurance
3. HDFC Insurance
4. Future General Insurance
5. Bajaj Allianz Insurance
6. SBI General Insurance
7. Care Insurance
8. Aditya Birla Insurance
9. Paramount TPA
10. Universal Sompo
11. Chola MS
12. Reliance General
13. Park Mediclaim & Many Others.

माँ बनने का सपना पूरा करें

बांझपन, बार-बार अबोरशन का समाधान
ट्यूब ब्लॉक, रसौली, फाइब्राइड में आप्रेशन क्यों ?
PCOD/PCOS/ Menstrual Disorders
की टेंशन क्यों ? आयुर्वेद-पंचकर्म से इलाज है
क्वालीफाइड, एक्सपीरियन्सड आयुर्वेदिक स्पेशलिस्ट प्रतिदिन मिलते हैं।
पहले व तीसरे शनिवार फ्री ओ.पी.डी.
सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक

बिना चीर फाड़

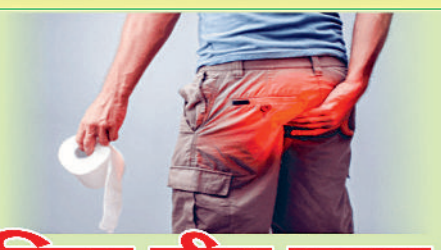

Anorectal Diseases: Piles, Fissure, Fistula etc.
गुदा रोग: बवासीर, भगंदर, फिशर आदि का
क्षार सूत्र, पंचकर्म से पक्का इलाज, ताकि दोबारा न हो
हर शनिवार फ्री चैकअप सुबह 10: बजे से 2:00 बजे तक
क्षार सूत्र/ प्रोसीजर मात्र Rs.10,000* में
आयें, इलाज करायें- शाम को घर जायें।
इलाज से अगले दिन काम पर जायें।
Qualified Expert प्रतिदिन मिलते हैं
*लैब/ दवा खर्च अलग, बिना दाखिला के

Joints Pain

जोड़ क्यों बदलवायें!
अथर्व में आराम पायें
जोड़ों-कमर दर्द, डिस्क, सरवाईकल, गठिया, लकवा, नसों का फूलना/ कमजोरी आदि में
आयुर्वेद-पंचकर्म-नेचुरोपैथी
पेन किलर → साईडइफैक्टस → नो ईलाज
अथर्व आयुर्वेद
नो साईडइफैक्टस ईलाज

गुर्दे-शुगर-बी. पी.

बीमारी और दवाओं दोनों के साइडइफैक्टस की चिंता छोड़
अथर्व आयुर्वेद आएं
- माईग्रेन, थाइरॉयड, पेशाब, सैक्स रोग
- एसिडिटी, कब्ज, आईबीएस आदि लिवर-पेट रोग
- सोरायसिस, एलर्जी, एग्जिमा आदि चमड़ी रोग
- बच्चों व बड़ों की खाँसी, दमा आदि छाती रोग।

अन्य सभी रोगों का बिना साइड इफैक्टस समाधान
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी से।

बिना दवा आराम देने वाले डिपार्टमेन्टस

नये-पुराने सभी दर्दों में
अग्निकर्म, रक्तमोक्षण
से तुरन्त आराम

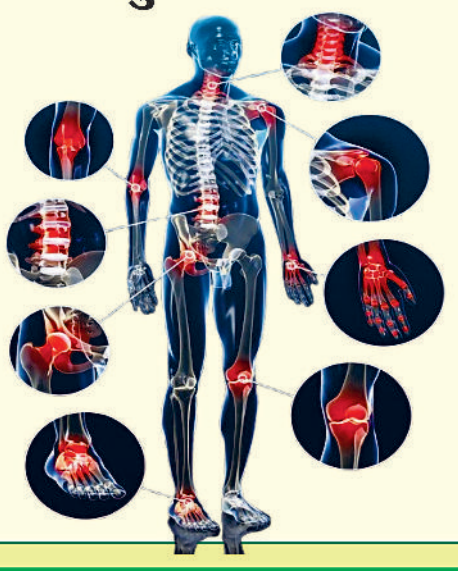

फिज़ीयोथैरेपी

आधुनिक मशीनों एवं क्वाईफाईड डॉक्टरों द्वारा
जीवन आसान बनायें
दर्द, जकड़न, जोड़ों, मांस-पेशियों नसों की कमजोरी, चोट, ऑप्रेशन के बाद रिकवरी, स्पोर्टस इंजरी, आदि।

तेज रिकवरी
दर्द नहीं
एक्सपर्ट डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

योग नैचुरोपैथी

से
बिना दवा ईलाज
शरीर-मन का संतुलन
रोगों से मुक्ति

स्वस्थ लम्बा जीवन पायें,
योगा- नैचुरोपैथी के डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

खबर संक्षेप

ग्रीन क्लीन मैराथन में किया शानदार प्रदर्शन

जींद। राजस्थान के जयपुर में आयोजित ग्रीन क्लीन मैराथन में जीएमएसएसएसएस एथलेटिक्स नर्सरी सफीदों के खिलाडिय़ों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के खिलाडिय़ों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। जिसमें सफीदों के खिलाड़ियों ने प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कृष ने अंडर 14 में 7वां स्थान, कार्तिक ने अंडर 10 में 10वां स्थान, वरुण ने अंडर 14 में 15वां स्थान हासिल किया।

फरार उद्घोषित अपराधी गिरफ्तार

जींद। जिला पुलिस द्वारा उद्घोषित अपराधियों की धरपकड़ के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस ने एक उद्घोषित अपराधी को काबू किया है। मामले की जानकारी देते हुए थाना शहर नरवाना प्रभारी पूर्णदास ने बताया कि शहर थाना में दस मई 2025 को दर्ज नशा निरोधक अधिनियम के तहत मामले में आरोपित गांव बुग्गी पट्ट, जिला संगरूर पंजाब निवासी अमर को उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास एवं गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपित को कोर्ट के समक्ष पेश किया गया।

वरिष्ठ नागरिक परिषद की बैठक आयोजित

जींद। वरिष्ठ नागरिक परिषद की वार्षिक बैठक प्रधान बूटा सिंह पूनिया की अध्यक्षता में सैक्टर 7 स्थित डे केयर सेन्टर में हुई। बैठक में परिषद की वार्षिक बैलेंस सीट को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया तथा नए बनाए गए सदस्यों का स्वागत करते मंजूरी दी गई। परिषद के वरिष्ठ सदस्य एजीएम राम सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित करके उनके द्वारा दिए गए योगदान को याद किया गया। परिषद के मुख्य संरक्षक कर्नल सूबे सिंह ढांडा ने आज की वैश्विक स्थिति पर प्रकाश डालते मध्य पूर्व एशिया सकंट पर चिंता प्रकट करते भारत पर पड़ने वाले राजनैतिक, आर्थिक प्रभावों की समीक्षा की।

माकपा 20 जून तक चलाएगी अभियान

जींद। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी माकपा की जिला कमेटी की बैठक जिला कार्यालय में जिला सचिव मंडल सदस्य रमेश चंद्र की अध्यक्षता में हुई। इसका संचालन जिला सचिव कपूर सिंह ने किया। बैठक में पार्टी के राज्य सचिव मंडल सदस्य सुरेंद्र मलिक ने विशेष रूप से हिस्सेदारी की और राज्य कमेटी द्वारा लिए गए आगामी आंदोलनों के निर्णयों से अवगत कराया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बढ़ती जन समस्याओंए जनविरोधी नीतियों और प्रदेश की चरमराती कानून व्यवस्था के खिलाफ 20 जून तक एक व्यापक व जोरदार अभियान चलाया जाएगा।

नरेश बने अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के अध्यक्ष

जींद। अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ की बैठक पिल्लूखेड़ा सब डिवीजन में डिवीजन अध्यक्ष संदीप सैनी की अध्यक्षता में हुई। इसका संचालन ललित वर्मा ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से पिल्लूखेड़ा सब डिवीजन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें नरेश देशवाल को अध्यक्ष, सतीश शर्मा को उपाध्यक्ष, अनिल कटारिया को सचिवए बिट्टू पांचाल को सह सचिव, प्रवीण खटकड़ को कोषाध्यक्ष, कुलदीप कुंडू को सह कोषाध्यक्ष, शैलेंद्र को संगठन मंत्रीए मुकेश शर्मा को सदस्यता प्रभारी नियुक्त किया गया।

दुर्लभ पांडुलिपियों का डेटाबेस किया जाएगा तैयार : डीसी

जींद। डीसी डा. वैशाली शर्मा ने कहा कि भारत की समृद्ध परम्परा, सांस्कृतिक धरोहर एवं बौद्धिक विकास के महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में प्राचीन पांडु लिपियां, ताड़पत्र एवं दुर्लभ अभिलेखों के संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा ज्ञान भारतम मिशन के तहत राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण प्रारंभ किया है। डीसी ने कहा कि मिशन के अंतर्गत गत 16 मार्च से सर्वेक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है।

एसआईआर समीक्षा बैठक में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे हरियाणा कांग्रेस सहप्रभारी

बीएलओ का साया बन कर सर्वे पर नजर रखें कार्यकर्ता : जितेंद्र

भाजपा के छलावे से बचने के लिए लोगों को होना होगा जागरूक: सांसद

बीएलओ, लोकतंत्र को रौंदने की सोच को सींचने से बचें : रिषिपाल हैबतपुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर को लेकर कांग्रेस बेहद गंभीर मोड में नजर आ रही है। भाजपा सरकार के इस अभियान को वोट काटू अभियान करार देते शीर्ष कांग्रेसियों ने बीएलओ यानि बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर किये जाने वाले सर्वे का साया बन कर नजर रखने का बुथ एजेंटों और पदाधिकारियों से आह्वान किया है। एसआईआर को लेकर शनिवार को कांग्रेस जिला मुख्यालय पर जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में हरियाणा कांग्रेस के सहप्रभारी जितेंद्र बघेल ने जहां मुख्यअतिथि के तौर पर शिरकत की वहीं सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने विशेष तौर से भाग लिया। एसआईआर के मसले पर जींद जिले के बनाए गये इंचार्ज धर्मबीर गोयत की मौजूदगी में हर बुथ पर बीएलओ की हर गतिविधि पर विशेष नजर रखने का आह्वान किया गया। इस दौरान जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की समिक्षा मीटिंग में निर्णय लिया गया कि जिले के प्रत्येक ब्लॉक में गांव-गांव, गली-गली जाकर एसआईआर की जानकारी दी जाएगी। इस मौके पर पूर्व विधायक सुभाष देशवाल, वजीर गांगोली, राजू लखीना, रघुवीर भारद्वाज, विजेंद्र डाटरथ, इशाक भट्टी, पवन दूहन, पवन, सतपाल सत्तू, दीपक पिंडारा, दिनेश डाहौला, अशोक मलिक सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। हरियाणा कांग्रेस सहप्रभारी जितेंद्र बघेल ने कहा कि यह बात जग जाहिर हो चुकी है कि भाजपा सरकार किस तरीके से वोट चुराने का कार्य करती है। भाजपा के लोकतंत्र को रौंदने के इस अभियान को लेकर देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आह्वान किया है कि पार्टी का प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांव और शहरों में हर गलीए हर घर पहुंचकर प्रबुद्ध जनता में एसआईआर को लेकर जागरूकता की अलख जगाये। क्योंकि भाजपा की ओच्छी सोच से निपटने के लिए लोगों को अपने हितो के प्रति जागरूक होना होगा। हर बुथ पर पार्टी के एजेंट बीएलओं की कार्रवाई पर विशेष नजर रखे और फर्जी वोट जुड़ने ना दें तथा सही वोट कटने ना दें।

जींद। मंच पर मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ता। *फोटो :हरिभूमि*

लोकतंत्र का गला घोटने की इजाजत नहीं

इस दौरान कांग्रेस जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर ने हरियाणा कांग्रेस सहप्रभारी जितेंद्र बघेल को भरोसा दिलाया कि जींद जिले का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने कर्तव्यको पूरी शिद्दत से निभाते हुए भाजपा की कुचाल का मूंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हो चुका है। जिले के तमाम विधानसभा क्षेत्रों में पदाधिकारियों ने डयूटी संभाल ली है। हर बुथ पर पार्टी के कार्यकर्ता एजेंट बनकर सर्वे करने वाले बीएलओ के साथ सायां बनकर साथ-साथ चलेंगे। कांग्रेस जिला प्रधान ने कहा कि किसी भी अधिकारी और कर्मचारी को लोकतंत्र का गला घोटने की इजाजत नहीं दी जाएगी। अधिकारी और कर्मचारी इस बात को भी समझ ले की सरकारे आती जाती रहती हैं। इसलिए कोई भी बीएलओ लोकतंत्र को रौंदने की सोच को सींचने की गलती ना करें।

कार्यकर्ता अहम भूमिका निभाएं

इस अवसर पर सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता के लिए लोकतंत्र का गला घोट रही है। इसलिए जिन-जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैए वहां वोट चोरी कर सत्ता में आ रही है। भाजपा के इस छलावे से बचने के लिए लोगों को जागरूक होना होगा। इसलिए 15 जून से 14 जुलाई तक जो सर्वे चलेगा उस पर पार्टी का हर कार्यकर्ता भोले-भाले और सही लोगों की वोट को कटने ना दे। इस अवसर पर एसआईआर के मसले में बनाए गए जिला इंचार्ज धर्मबीर गोयत ने कहा कि जो मतदाता सूची बनाई गई है, उसमें विधानसभा स्तर पर 10 से 15 हजार के बीच फर्जी वोट बनाये गए हैं। इसलिए फर्जी वोटो को सूची से हटवाने और सही मतदाताओं की वोट बचाने के लिए जिले भर में कांग्रेस का कार्यकर्ता अहम भूमिका निभायेगा।

उचाना। कसूहन में आयोजित भाजपा की संगठानात्मक मीटिंग।

एसआईआर मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती का आधार : अत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

कसूहन के चाणक्य इंटरनेशनल स्कूल में भाजपा की मीटिंग आयोजित हुई। मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील राणा पहुंचे। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री, जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढुल मुख्य रूप से पहुंचे। मंच संचालन कसूहन मंडल अध्यक्ष संजय चहल ने किया। कार्यक्रम बीएलए-1 रमेश काकड़ोद की अगुवाई में हुआ। वंदे मातरम गीत से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यक्रम के अंत में पौधरोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। एसआईआर अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा वक्ताओं ने की। बीएलए-2 को जिम्मेदारी सौंपी गई। विधायक ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर चलाए जाने वाले पुनरीक्षण अभियानों का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना है ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने दस्तावेजों की जांच कर आवश्यक संशोधन, नाम जोडऩे अथवा अन्य संबंधित कार्य निर्धारित समयावधि में पूरा करें। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना चाहिए तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि को समय रहते ठीक करवाना आवश्यक है। लोगों से अपील की कि वे अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी मतदाता सूची की जांच करवाने के लिए प्रेरित करें। अत्री ने कहा कि मतदान केवल अधिकार ही नहीं बल्कि एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार के प्रति सजग रहना चाहिए। युवाओं से विशेष रूप से आह्वान किया कि जो युवा निर्धारित आयु पूर्ण कर चुके हैं, वे अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाएं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सतीश जांगड़ा, श्रवण मांडी, दिलबाग संडील, सतीशा देवी, सुरेंद्र खरकभूरा, संदीप गुरूकुल खेड़ा, रोहताश खटकड़, अनिल झील, नरेश सौंगरी, सत्यनारायण मखंड, सत्यवान दुर्जनपुर, रमेश राणा, शमशेर सैणी नगूरां, रामपाल अलेवा, सुनील दरोली, प्रवीण गर्ग, अनिल शाहपुर, पालेराम कश्यप, दलबीर ग्रोवर, मुकेश सुदकैन, सुरेंद्र बड़ौदा, धर्मबीर सैन मौजूद रहे।

चोरों ने किसानों का दिन का चैन तथा रात की नींद छीनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

■ तीन गांवों के दो दर्जन किसानों के ट्यूबवेलों से केबल चोरी

सोलर ट्यूबवैलों से कीमती केबल चोरी की बढ़ती घटनाओं ने किसानों का दिन का चैन तथा रात की नींद छीन ली है। बीती रात चोरों ने गांव दनौदा कलां खुर्द, कलां, सैंथली के दो दर्जन किसानों के खेतों से कीमती केबलों को चोरी कर लिया। सदर थाना नरवाना पुलिस ने किसानों की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव दनौदा कलां निवासी सत्यवान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने अपने खेत में सोलर ट्यूबवैल लगाया हुआ है। बीती रात चोरों ने उसके सोलर ट्यूबवैल से कीमती केबल को चोरी कर लिया। इस प्रकार उसके पड़ोसी गांव दनौदा कलां धर्मपाल, राजेश, अमित, रामफल, जुगतीराम, आशु, रामफल, आजाद, जगबीर, विरेंद्र, हरदीप, गांव सैंथली निवासी जयवीर, गगनदीप, मलकजीत, अमलजीत, मुकेश समेत अन्य किसानों के टयूबवैलों से भी कीमती केबलों को चोरी कर लिया। किसानों ने बताया कि फिलहाल खेतों में कृषि से संबंधित कार्य कम है। भीष्ण गर्मी पड़ रही है। पशुचारे को लेकर अभी बिजाई नही की है। धान की रोपाई इलाके में होती है। बारिश सीजन का इंतजार है। बिजली की समस्या को लेकर उन्होंने सोलर पैनल लगवाए थे ताकि बिजली का इंतजार न करना पड़े। अब चोरों ने उनके टयूबवैलों से कीमती केबलों को चोरी करना शुरू कर दिया। अब उन्हें समझ नही आ रहा कि वे रात को खेतों में टयूबवैलों की रखवाली करें या अपने घर चैन की नींद सोएं।

दिखी गंदगी तो सीएमओ ने लगाई फटकार

■ ओपीडी स्लीप पर जांच करने वाले डॉक्टर के हस्ताक्षर नहीं मिलने पर दिखाई सख्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

दोपहर को सीएमओ जींद डॉ. सुमन कोहली ने उचाना नागरिक अस्पताल का औच्चक निरीक्षण किया। यहां पर स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों के साथ मीटिंग भी की। निरीक्षण के दौरान दिखाई दी गंदगी पर सीएमओ ने फटकार लगाते हुए कहा कि पंद्रह दिनों के बाद दोबारा से वो विजीट करेंगी। दोबारा गंदगी नजर आए तो सख्त कार्यवाही होगी। ऐसे ही बिना ड्रेस में दिखे स्टॉफ को ड्रेस कोड के हिसाब से ड्यूटी समय में डालने के निर्देश भी दिए। ऑक्सीजन सिलेंडर की जांच की वो खाली मिलने पर उसकी जगह दूसरा ऑक्सीजन सिलेंडर रखने के निर्देश दिए गए। बायोमेट्रिक की जांच करने के साथ-साथ मरीजों के लिए लगाई गई लिफ्ट की भी जांच की। ऑक्सीजन कंसट्रेटर मशीन की जांच की जो नहीं चली तो उसकी जगह ऑक्सीजन कंसट्रेटर रखने के निर्देश दिए। वार्ड में दाखिल मरीज से स्वास्थ्य सेवाओं की जांच के दौरान ओपीडी स्लीप की जांच की जिस पर स्टैप, हस्ताक्षर नहीं मिलने पर सीएमओ ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि जिस भी मरीज की जांच जो डॉक्टर करें उस पर उसके हस्ताक्षर, स्टैंप होनी चाहिए। मरीजों के लिए गर्मी के मौसम में लगा गए कूलरों की सराहना की। सीएमओ डॉ. सुमन कोहली ने कहा कि बताया कि नागरिक अस्पताल का निरीक्षण किया। यहां पर डॉक्टर, स्टॉफ काम अच्छा कर रहे है। साफ-सफाई को लेकर खुश नहीं हूं। कई जगहों पर सफाई नहीं मिली। एसएमओ को निर्देश दिए गए है कि15 दिनों में दोबारा विजिट की जाएगी। सफाई-सफाई में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। स्टॉफ को ड्रेस कोड फोलो करने के निर्देश दिए गए है आज काफी स्टॉफ ड्रेस कोड को फोलो नहीं कर रहा था। ओपीडी पर जो डॉक्टर मरीज की जांच करें उसके हस्ताक्षर, स्टैप होनी चाहिए। जो दवा वेयर हाऊस से नहीं मिल पाती है उसकी मंजूरी लेकर लोकल परचेज करने के निर्देश भी दिए है।

उचाना। सीएमओ डॉ. सुमन कोहली नागरिक अस्पताल का निरीक्षण करते हुए।

मलेरिया को हराएं स्वस्थ भविष्य बनाएं : नरेंद्र ढांडा

अलेवा। नगूरां पीएचसी के अधीन स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा उप सिविल सर्जन मलेरिया डा. बिजेंद्र ढांडा के निर्देशानुसार नगूरां, दिल्लूवाला, ढालमवाल, चांदपुर समेत विभिन्न गांवों में जून माह को मलेरिया रोधी माह के रूप में मनाया जा रहा है। जिसमें लोगों को मानसून के मौसम में मलेरिया के लक्षण और बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है। स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा ने बताया कि मलेरिया मादा एनाफीलीज मच्छर के काटने से फैलता है। जिसमें कंपकंपी के साथ तेज बुखार आना, अत्यधिक पसीना, कमजोरी महसूस होना, सिर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, मतली और उल्टी होना आदि मलेरिया के लक्षण हैं। मलेरिया बुखार से 5 वर्ष से कम आयु के बच्चे और गर्भवती महिलाएं तथा गंभीर बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति ज्यादा प्रभावित होते हैं। इसके बचाव के बारे में लोगों को बताते हुए स्वास्थ्य निरीक्षक ने कहा कि रविवार को ड्राई डे के रूप में मनाते हुए अपने होदी, कूलर, पानी की टंकी, फ्रीज की ट्रे और गमलों की सफाई करें।

नगूरां गांव में लोगों को मलेरिया के प्रति जागरूक करती स्वास्थ्य विभाग की टीम।

नरवाना। कैंप में भाग लेते बच्चे व अध्यापक। *फोटो :हरिभूमि*

कैंप का छठा दिन इतिहास-भूगोल विषय को समर्पित

नरवाना। राजकीय मॉडल संस्कृति वमावि बेलरखा में आयोजित भारतीय भाषा समर कैंप के छठे दिन की गतिविधियां इतिहास और भूगोल विषय पर आधारित रहा। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया। समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों को भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों एवं स्मारकों के बारे में जानकारी दी तथा उनके ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराया। विद्यार्थियों ने भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से इतिहास एवं भूगोल विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते अपने ज्ञान और समझ का प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य बलजीत गोयत ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों को अपने देश के इतिहास, संस्कृति और भूगोल से जोडऩे का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भारत की गौरवशाली विरासत को जानने, समझने तथा उसके संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

महिलाओं ने लिया फास्ट फूड का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान जींद द्वारा गांव हैबतपुर में चलाए जा रहे 12 दिवसीय फास्ट फूड स्टाल उद्यमी के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हुआ। इसमें 35 प्रशिक्षणार्थियों ने फास्ट फूड स्टाल उद्यमी का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्थान निदेशक सुखबीर दहिया ने शिरकत की। मुख्य अतिथि सुखबीर दहिया ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि आज के युग में महिलाएं कैसे अपना रोजगार करके आगे बढ़ रही हैं और कितने बड़े स्तर तक अपना काम बढ़ाया है। आर्थिक रूप से कमजोर महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कीमों के तहत सब्सिडी वाला लोन लेकर अपना काम शुरू कर सकती है। इस मौके पर संस्थान निदेशक ने सभी प्रशिक्षणार्थियों से फीडबैक लिया व बैंकिंग से संबंधित जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि आज के समय में लोगों बेरोजगारी समस्या से जूझ रहे है और फास्ट फूड स्टाल उद्यमी की ट्रेनिंग लेने के उपरांत महिलाएं अपना रोजगार शुरू कर सकेंगी। इस मौके पर सुखबीर दहिया के अलावा धर्मेंद्र कथूरिया, नेहा शर्मा व आरसेटी स्टाफ मौजूद रहा।

जींद। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं के साथ मौजूद निदेशक। *फोटो :हरिभूमि*

ग्रामीणों को मच्छरजनित बीमारियों से बचाव बारे जागरूक किया

निडानी में स्वास्थ्य विभाग टीम ने किया रैपिड फीवर मास सर्वे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरकरामजी के तहत निडानी गांव में स्वास्थ्य कर्मियों की टीम द्वारा स्वास्थ्य सुपरवाइजर विजेंद्र सिंह के नेतृत्व में रैपिड फीवर मास सर्वे अभियान चलाया गया। जिसमें स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच की और मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया व पम्पलेट बांटे। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने गांव के विभिन्न हिस्सों का दौरा किया। इस दौरान बुखार से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान कर उनकी रक्त पट्टिका बनाई गई ताकि समय रहते मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों का पता लगाया जा सके। विजेंद्र सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों ने गांव में नुक्कड़ सभाएं आयोजित कर लोगों को मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के लक्षण, कारण और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। तेजवीर सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति को बुखार आता है तो उसे नजरअंदाज न करें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करवाएं। उन्होंने बताया कि समय पर जांच और सही इलाज से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। स्वास्थ्य कर्मियों ने मलेरिया बुखार के लक्षणों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसमें ठंड लगने के साथ तेज बुखार आता है, जो बार-बार चढ़ता-उतरता है, गर्मी लगती है और फिर पसीना आकर बुखार उतर जाता है। पूरे शरीर मे थकावट रहती है, उल्टी व सिर दर्द होता है। ऐसे में लापरवाही करना खतरनाक हो सकता है। स्वास्थ्य कर्मियों ने बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें तथा नीम के पत्तों का धुआं करें। इसके अलावा घर और आसपास साफ.-सफाई रखने पर विशेष जोर दिया गया। टीम ने लोगों को गड्ढों को मिट्टी से भरने, पानी जमा न होने देने, कूलर और टंकियों का पानी सप्ताह में कम से कम एक बार बदलने तथा छतों पर पड़े कबाड़ को हटाने की सलाह दी।

ग्रामीणों को मौसमी बीमारियों को लेकर पंपलेट वितरित करते स्वास्थ्यकर्मी।

उचाना। पैक्स उचाना कलां के चुने गए प्रधान, उप प्रधान एवं पैक्स डायरेक्टर।

राजपाल डूमरखा प्रधान, ईश्वर सिंह बने उपप्रधान

उचाना। उचाना कलां पैक्स प्रधान, उप प्रधान का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ। चुनाव अधिकारी के तौर पर निरीक्षक सहकारी समितियां संजीव कुमार पहुंचे। चुनाव कार्यवाही का अधिकारी रघुबीर पूनिया को दिया गया। नवनियुक्त पैक्स डायरेक्टरों ने प्रबंधक कमेटी के प्रधान, उप प्रधान का चुनाव सर्वसम्मति से किया। उचाना कलां डायरेक्टर सुरेश नंबरदार ने प्रधान पद के लिए राजपाल डूमरखा के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। डूमरखा कलां डायरेक्टर रमेश कुमार ने उप प्रधान के लिए ईश्वर सिंह उचाना कलां के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया। राजपाल सिंह ने कहा कि जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसे निष्ठा से बिना किसी भेदभाव के निभाने का काम करेंगे। पैक्स में आमजन, किसानों के लिए जो-जो योजनाएं शुरू की गई है उनका लाभ हर किसी को मिले ये कोशिश रहेगी। डायरेक्टर गोपी, सतीश कुमार, बादल, विकास, मनीषा, नन्ही देवी, विकास सफा खेड़ी, राजमल, सुरेश उचाना, राजीव डूमरखा, रूद्र, मुकेश, सुभाष चंद्र, राजेश, शीलू, दलबीर मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

घर में घुसकर युवक से की मारपीट, मामला दर्ज

कैथल। गांव पाडला में हुई मारपीट में एक युवक घायल हो गया। उसे अस्पताल दाखिल करवाया गया है। कैथल सदर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर एससी/एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव पाडला के प्रदीप कुमार ने बताया कि 4 जून की शाम उसकी पत्नी घर के गेट पर बैठी थी, जबकि उनका दो साल बेटा गली में खेल रहा था। इसी दौरान एक किशोर साइकिल चलाते हुए आया और बच्चे को टक्कर मार दी, जिससे वह गिरकर रोने लगा। बच्चे की आवाज सुनकर वह बाहर आया और किशोर को डांट दिया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोपी काबू

कैथल। थाना सदर एसएचओ एसआई कुलदीप की अगुवाई में एएसआई सलिंन्द्र कुमार की टीम द्वारा शादी का झांसा देकर महिला का शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक शोषण करने के मामले में आरोपी नानकपूरी कॉलोनी कैथल के रोहित को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कैथल की एक कॉलोनी निवासी महिला की शिकायत अनुसार आरोपी रोहित ने वर्ष 2022 दौरान स्वयं को अविवाहित बताकर उससे प्रेम संबंध बनाए तथा शादी का विश्वास दिलाकर विभिन्न स्थानों पर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया, 2023 में गर्भवती होने पर गर्भपात करवाया।

सवा दो करोड़ रुपये के बजट से निर्माण कार्य जारी

भगवान परशुराम सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य में सामने आई चूक

छत कमजोर तो भवन को कैसे मिलेगा लाभ, कच्ची मिट्टी पर बिना बैड बिछाई जा रही सीवरेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलायत

कलायत। भवन में कच्ची मिट्टी में दबाई जा रही सीवरेज लाइन फोटो : हरिभूमि

कलायत। पुराने निर्माण की धंसी नींव व क्रेक हुए बीम पर जारी नव निर्माण।

कलायत में भगवान परशुराम सामुदायिक भवन के अधूरे निर्माण कार्य को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। करीब सवा दो करोड़ रुपये के बजट से दोबारा शुरू किए गए निर्माण कार्य में गुणवत्ता और मजबूती संबंधी गंभीर खामियों के आरोप सामने आए हैं। वार्ड कमेटी, पार्षदों और भगवान परशुराम से जुड़े सामाजिक संगठनों ने निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय जांच करवाने की मांग कर रहे हैं। इसकी निगरानी के लिए जिला प्रशासन से विशेष टीम गठित करने का आग्रह किया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि वर्ष 2020 से भवन का निर्माण कार्य बंद पड़ा था। लंबे समय तक कंकरीट पीलर खुले में रहने के कारण बुरी तरह कमजोर हो चुके हैं। ऐसे कमजोर और क्षतिग्रस्त पिलरों पर अब रसोई भवन का लेंटर डालने एवं दीवारों का निर्माण किया जा रहा है। जिससे भवन की मजबूती पर प्रश्नचिह्न लग गया है। संगठनों के प्रतिनिधियों ने बताया कि कई कंकरीट पिलरों में लगा लोहे का सरिया जंग खा चुका है। अनेक स्थानों पर पिलरों में दरारें भी दिखाई दे रही हैं। इतना ही नहीं भवन की कुछ जगहों पर नींव धंसने और टूटने के भी संकेत मिले हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते इन कमियों को दूर नहीं किया गया तो भविष्य में भवन की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। मुख्य भवन की छत को लेकर भी लोगों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि पहले से बनी ईंटों की फर्श वाली छत से लगातार रिसाव हो रहा है। ऐसे में केवल मरम्मत या लीपापोती करने के बजाय छत का नए सिरे से निर्माण कराया जाना चाहिए। ताकि भविष्य में पानी के रिसाव की समस्या न रहे। निर्माण स्थल पर बिछाई जा रही सीवरेज लाइन केवल औपचारिकता का कार्य बनती नजर आ रही है। सीवरेज पाइपों को बिना उचित बेड तैयार किए ऊबड़-खाबड़ मिट्टी पर बिछाया जा रहा है। इससे निकासी व्यवस्था प्रभावित होने के साथ-साथ रिसाव का खतरा भी बढ़ सकता है। यह भवन की संरचना के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसके अलावा फर्श पर टाइल लगाने के दौरान गुणवत्ता आधारित क्रेशर सामग्री की बजाय रेत के उपयोग को भी निर्माण मानकों के विपरीत बताया गया है। वार्ड कमेटी चेयरमैन अमित वाल्मीकी, पार्षद रवींद्र निर्मल बंटी, प्रीत जगदेव, प्रदीप राणा व अन्य प्रतिनिधियों ने जिला उपायुक्त से मांग की है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की एक विशेष निगरानी टीम गठित की जाए। उनका कहना है कि प्रदेश सरकार ने करोड़ों रुपये की लागत से इस महत्वपूर्ण परियोजना को पुनः शुरू किया है। इसलिए निर्माण कार्य प्रत्येक स्तर पर मजबूत और गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। ताकि शहरवासियों को इसका दीर्घकालिक लाभ मिल सके।

गुणवत्ता में नहीं रहेगी कोई कमी

नगर पालिका कनिष्ठ अभियंता अब्दुल वहाब खान ने कहा कि भगवान परशुराम सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य की पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समय-समय पर निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जहां भी किसी प्रकार की लापरवाही या कमी सामने आती है, उसे तत्काल दूर करवाया जाता है। साथ ही सामाजिक संगठनों द्वारा दिए गए सुझावों को भी गंभीरता से लेते हुए निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुसार पूरा कराया जाएगा।

कलायत। वर्ष 2020 से ओपन में खड़े पीलर हुए कमजोर। फोटो : हरिभूमि

न्यूज डायरी

कन्या स्कूल में यातायात नियमों बारे किया जागरूक

कैथल। जिला ट्रैफिक पुलिस थाना प्रबंधक यातायात इंस्पेक्टर सतपाल सिंह द्वारा सडक सुरक्षा विषय के संबंध में राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय जाखोली अड्डा कैथल में छात्राओं व स्टाफ को ट्रैफिक रूल की पालना करने के लिए जागरूक किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान ट्रैफिक प्रबंधक इंस्पेक्टर सतपाल सिंह की पुलिस टीम द्वारा बच्चो को जानकारी दी गई कि ऑवर स्पीड में वाहन चलाना तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करना सडक दुर्घटना का कारण बन जाते है, जिसके बारे में चालकों को सजग रहना चाहिए। सभी वाहन चालकों को यातायात नियमों की समुचित पालना करनी चाहिए। कार व हल्के वाहन चालकों को सीट बेल्ट का प्रयोग करने की सलाह दी।

टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब के झांसे में 12.75 लाख रुपये की साइबर ठगी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

कैथल। टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब के झांसे में 12.75 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले की जांच थाना साइबर क्राइम प्रभारी एसआई रणदीप सिंह की अगुवाई में एसआई सुरेंद्र सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी शिवपुरी मध्यप्रदेश निवासी अमित गोयल व ओल्ड शिवपुरी निवासी बंटी खुशवा को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सुभाष नगर कैथल निवासी प्रीति की शिकायत अनुसार उसके एचडीएफसी बैंक खाते में एक प्लॉट की बिक्री के एवज में 17 अक्टूबर 2025 को 12 लाख 75 हजार रुपये प्राप्त हुए थे। वह अपने मोबाइल फोन पर टेलीग्राम ऐप का उपयोग करती थी, जहां उसे पार्ट टाइम जॉब से संबंधित विभिन्न संदेश प्राप्त होते थे। उसने कुछ टेलीग्राम ग्रुप भी ज्वाइन किए हुए थे।

लाभकारी कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान

राजौंद। गांव किछाना में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र कैथल द्वारा किसान गोष्ठी एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज चौहान द्वारा प्रारंभ किए गए "खेत बचाओ अभियान" के अंतर्गत प्रदेश के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा 1 जून से 30 तक किसानों के लिए व्यापक जन-जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम किया जा रहा हैं। इस अभियान का उद्देश्य कृषि भूमि की उर्वरकता को बनाए रखना, उत्पादन लागत को कम करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना तथा किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। केंद्र के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. रमेश चंद्र वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित उर्वरक प्रबंधन व वैकल्पिक खादों जैसे हरी खाद, कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट तथा जैव उर्वरकों के उपयोग पर वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

शिविर में योग साधकों ने किया योगासन और प्राणायाम

कैथल। विश्वकर्मा मंदिर फतेहपुर में आचार्य विजय भारद्वाज के मार्गदर्शन में चल रहे निःशुल्क योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का तीसरा दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में प्रतिदिन बढ़ रही प्रतिभागियों की संख्या से क्षेत्र में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति बढ़ती जागरूकता देखने को मिली। तीसरे दिन योग साधकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास कराया गया। आचार्य विजय भारद्वाज ने कहा कि वर्तमान समय में गलत खान-पान, तनावपूर्ण जीवनशैली और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण अनेक रोग बढ़ रहे हैं, जिनसे योग और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने मोटापा, मधुमेह, अनिद्रा, मानसिक तनाव, थकान, गैस, कब्ज तथा जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं में योग और प्राकृतिक चिकित्सा के लाभों की जानकारी दी।

स्वास्थ्य जांच कर चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया

कैथल। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट ने जिन्दल हाउस कैथल में स्थानीय लोगों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई, साथ ही आस पास के गांवों से आए लोगों ने भी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया। डॉ. बलविंदर सिंह के अनुसार लोगों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। रक्तचाप, मधुमेह सहित विभिन्न सामान्य बीमारियों की जांच की गई। आज 136 जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई, जबकि 15 लोगों के रक्त परीक्षण भी मौके पर ही किए गए। सांसद नवीन जिन्दल के कैथल कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल के निर्देशानुसार गांव-गांव और कस्बों में मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा लोगों को संतुलित आहार, स्वच्छता, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है।

पर्यावरण दिवस पर सर्व कल्याण मंच ने किया पौधरोपण

गुहला-चीका। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सर्व कल्याण मंच, हरियाणा की जिला कैथल इकाई द्वारा गांव पिड़ल और कलर माजरा में पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मंच के पदाधिकारियों और सदस्यों ने विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सर्व कल्याण मंच के जिला उपाध्यक्ष ओमपाल राणा ने कहा कि पौधे मानव जीवन का आधार हैं और प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे हमें जीवनभर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं तथा पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया। मंच के जिला महासचिव अमरजीत सिंह ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और पालन-पोषण करना भी उतना ही आवश्यक है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी: कृष्ण

पूंडरी। विश्व पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर मार्केट कमेटी पाई परिसर में त्रिवेणी पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चेयरमैन कृष्ण शर्मा पिलनी ने त्रिवेणी पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा उपस्थित लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के लगातार दोहन से पृथ्वी का संतुलन प्रभावित हो रहा है।

निम्बरान परिवार ने लगाई मीठे पानी की छबील, राहगीरों को गर्मी में राहत

- जरूरतमंदों की सहायता करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुहला-चीका

गुहला चीका। शहीद ऊधम सिंह चौक पर शीतल पेय पिलाते निम्बरान परिवार के सदस्य।

भीषण गर्मी और तपती धूप के बीच समाजसेवा की भावना को आगे बढ़ाते निम्बरान परिवार ने शनिवार को शहीद ऊधम सिंह चौक, चीका में मीठे पानी की छबील लगाई। छबील में राहगीरों, वाहन चालकों और आमजन को शीतल मीठा पानी पिलाकर उनकी प्यास बुझाई गई।निम्बरान परिवार द्वारा आयोजित यह छबील सेवा लगातार आठवें वर्ष लगाई गई। परिवार के सदस्यों ने बताया कि गर्मी के मौसम में लोगों को राहत पहुंचाने तथा सेवा भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वे हर वर्ष इस प्रकार की छबील का आयोजन करते हैं। उन्होंने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है और जरूरतमंदों की सहायता करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। छबील के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने मीठे पानी का सेवन किया और परिवार द्वारा किए जा रहे इस सामाजिक कार्य की सराहना की। स्थानीय लोगों ने कहा कि भीषण गर्मी में इस प्रकार की सेवा गतिविधियां न केवल लोगों को राहत प्रदान करती हैं, बल्कि समाज में भाईचारे, सहयोग और सद्भाव की भावना को भी मजबूत करती हैं।

मांगों को लेकर हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ का प्रदर्शन नौ को

कैथल। बातचीत करते कर्मचारी फोटो : हरिभूमि

कैथल। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राज्य महासचिव रामपाल शर्मा, जिला प्रधान रामफल दयोहरा, जिला सचिव अमरनाथ किठाणिया, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य वरिष्ठ उपप्रधान जरनैल सिंह, राज्य सहसचिव शिवचरण, जिला प्रधान ओमपाल भाल व वरिष्ठ उपप्रधान छज्जू राम ने सयुक्त प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि संगठन के आह्वान पर शिक्षकों की लंबित मांगो व अतिथि अध्यापकों के नियमितीकरण को लेकर 9 जून को शिक्षा सदन पंचकूला पर प्रस्तावित मास डेपुटेशन कार्यक्रम में प्रदेश से हजारों शिक्षक/कर्मचारी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्य मांगो में उच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार 2014 की नियमितीकरण की पॉलिसी के तहत अतिथि अध्यापकों को अतिशीघ्र नियमित करने, संघ के मांगपत्र में शामिल सभी मांगों को समय-समय पर द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से हल करना आदि है।

गुहला चीका। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल अतिथि एवं शिक्षक। फोटो:हरिभूमि

आधुनिक तकनीकों को शिक्षा में अपनाने का आह्वान

गुहला-चीका। ग्रीन फील्ड्स स्कूल, कसौर में शनिवार को 'कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में मूल्यांकन एवं शिक्षण पद्धति' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को कम्प्यूटेशनल थिंकिंग (सीटी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के नवीनतम आयामों से परिचित कराना तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में इनके प्रभावी उपयोग की जानकारी देना था। कार्यक्रम में सराहना समिति के सदस्य के रूप में अरुण कुमार (प्रबंध निदेशक, एजु एआई लैब, चंडीगढ़), प्रधानाचार्या आँचल शर्मा (ग्रेवाल पब्लिक स्कूल) तथा प्रधानाचार्या जगदीप कौर (सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, हरिगढ़ किंगन) विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते शिक्षकों से बदलते समय के अनुरूप आधुनिक तकनीकों को शिक्षा में अपनाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ वक्ता ने कम्प्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कर शिक्षण को अधिक रोचक, प्रभावी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाया जा सकता है।

जेल में कैदियों के लिए योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर

कैथल। योगासन करते साधक। फोटो : हरिभूमि

कैथल। जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में जिला जेल कैथल में कैदियों के लिए योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला जेल प्रशासन के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कैदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विश्व योग दिवस की तैयारियों के अंतर्गत जिला स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। नोडल अधिकारी सुरेश रविश, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद कैथल के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जिले भर में योग जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला निरंतर संचालित की जा रही है। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया के निर्देशानुसार आयुष योग सहायक संदीप सिंह एवं सुखदेव द्वारा जिला जेल परिसर में कैदियों को सामान्य योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सीवन। पत्रकारों से बात करते पार्षद विकास शर्मा, संजय कंसल व अन्य।

विकास कार्यों को लेकर पार्षदों और अध्यक्षा के बीच मतभेद

सीवन। नगर पालिका सीवन में विकास कार्यों को लेकर पार्षदों और अध्यक्षा के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। पार्षदों द्वारा नगर पालिका अध्यक्षा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जाने के बाद स्थानीय राजनीति में हलचल बढ़ गई है। इस विवाद का सीधा असर नगर के विकास कार्यों पर पड़ने की आशंका भी जताई जा रही है। पार्षद विकास शर्मा और संजय कंसल ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि विकास कार्यों का लाभ सभी वार्डों को समान रूप से नहीं मिल रहा। कहा कि पिछले करीब छह माह से हाउस की नियमित बैठक नहीं हुई, जिसके कारण कई महत्वपूर्ण मुद्दे लंबित पड़े हैं। पार्षदों ने कहा कि नगर के विकास से जुड़े फैसलों में सभी जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। उनका आरोप है कि कई महत्वपूर्ण निर्णय बिना व्यापक चर्चा के लिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जिला नगर आयुक्त (डीएमसी) कैथल को लिखित शिकायत भेजी गई है तथा हाउस की बैठक बुलाने की मांग की गई है। शिकायत पर कार्रवाई की समय सीमा 8 जून को पूरी हो रही है। उन्होंने दावा किया कि 16 में से 9 पार्षद भी उनकी मांगों का समर्थन कर रहे हैं।

मुक्केबाज आकांक्षा व अग्निवीर में चयनित नितिन राणा सम्मानित

- प्रदेश के युवा लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर हरियाणा का नाम रोशन कर रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढांड

ढांड। छात्र नितिन राणा का स्वागत करते पूर्व विधायक तेजबीर चौधरी। फोटो:हरिभूमि

बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय, कौल में प्रबंधन समिति के प्रधान चौधरी तेजवीर सिंह के सान्निध्य में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज छात्रा आकांक्षा तथा अग्निवीर सेना में चयनित छात्र नितिन राणा को सम्मान राशि एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। तेजवीर सिंह ने कहा कि हरियाणा में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में मजबूत खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण सुविधाएं और प्रोत्साहनपरक नीतियां लागू की गई हैं। इनके सकारात्मक परिणाम आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखने को मिल रहे हैं। प्रदेश के युवा लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर हरियाणा का नाम रोशन कर रहे हैं। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने बताया कि बीए प्रथम वर्ष की छात्रा आकांक्षा ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है।

फास्ट फूड के सेवन से दे रहे मौत को निमंत्रण : ईश आर्य

स्वस्थ तन और मन से ही राष्ट्र का निर्माण : ज्योति सैनी

हुडा सेक्टर 20 पार्क में चल रहा योग प्रशिक्षण शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी का स्वागत करते पदाधिकारी तथा योगासन करते साधक। फोटो :हरिभूमि

हुडा सेक्टर 20 पार्क में चल रहे सह-योग शिक्षक प्रशिक्षण व सर्व रोग निवारण योग योग शिविर के पांचवें दिन का शुभारंभ भाजपा की जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी व भारत स्वाभिमान हरियाणा प्रभारी भाई ईश आर्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया। ज्योति सैनी ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी योग के प्रचार प्रसार के लिए पूरे हरियाणा में पूरे भाव के साथ लगे हुए हैं ताकि हर हरियाणवी योग से स्वस्थ हो सके। प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी व परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने देश में ही नहीं विदेशों में भी योग का डंका बजा रहे हैं। योग में हर मुश्किल का समाधान है चाहे वह शारीरिक हो पारिवारिक हो सामाजिक हो या राजनीतिक इसलिए नित्य नियम हमें हर रोज योग करना चाहिए । खाटू श्याम सालासर सेवा समिति के प्रधान मनोज सिंगला ने कहा कि 21 जून को योग महोत्सव यही हुड्डा सेक्टर 20 की देवीलाल पार्क में मनाया जाएगा व योग के बाद 8:00 बजे भंडारा लगाया जाएगा जिसमें शहर भर से हजारों लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे। भारत स्वाभिमान राज्य प्रभारी आचार्य रामचरण ने कहा कि योग ही एक ऐसी तैसी है जो बिना पैसे के हर बीमारी को ठीक करती है। आज हमारे खाने पीने की वस्तुओं में कितने पेस्टिसाइड का छिड़काव होता है कि हर खान की वस्तुओं में खतरनाक रसायन भरे हुए हैं। हमें न चाहते भी उन चीजों को इस्तेमाल करना पड़ता है। लेकिन कपालभाति से और अनुलोम विलोम से हमारा आंतरिक शुद्धिकरण हो जाता है। हमारे शरीर के सारे खतरनाक टॉक्सिन निकल जाते हैं। कहा कि पिज़्ज़ा बर्गर खाने वालों को धीरे-धीरे पिज़्ज़ा बर्गर ही खा जाता है। यानी कि जो लोग नियमित फास्ट फूड खाते हैं उन्हें अनेक बीमारी में घेर लेती है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पतंजलि योग समिति जिला मीडिया प्रभारी नरेश पंवार, बदन सिंह आर्य, अनिल राणा, जिला प्रभारी आचार्य हरिओम, काशी, जयभगवान, महावीर, लक्ष्मी नारायण, पवन कुमार कानूनगो, पाई से नरेंद्र कुमार, कृष्ण कुमार, अक्षरा गुप्ता, प्रेम जांगड़ा, सतपाल गुप्ता, रामफल, पवन गर्ग, सुरेश, महेंद्र सिंह, ओमप्रकाश शिवकुमार, शकुंतला, नीलम मिड्ढा, सोनिया गुप्ता, नीलम रत्तेवाल, संतोष, रमा गर्ग, कविता गुप्ता, सुशील, सुनीता गुप्ता आदि योग साधक मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत, दूसरा घायल

जींद। अलेवा के निकट जींद-असंध मार्ग पर बीती रात दो बाइकों की भिड़ंत में एक बाइक सवार की मौत हो गई। जबकि दूसरा बाइक सवार घायल हो गया। अलेवा थाना पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। गांव गंगटहेड़ी निवासी रवि (33) बीती देर रात बाइक पर सवार होकर असंध से अलेवा की तरफ लौट रहा था। अलेवा के निकट होटल के सामने उसकी बाइक की टक्कर सामने से आ रहे दूसरे बाइक से हो गई। जिसमें दोनों बाइक सवार घायल हो गए।

सोना गिरवी रखने के नाम पर ठगने का आरोपी दबोचा

जींद। शहर थाना सफीदों पुलिस नें फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के साथ लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर शनिवार को अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजने के निर्देश दिए हैं। पुलिस आरोपित से धोखाधड़ी से ठगी गई राशि बरामद करेगी। शहर थाना सफीदों के जांच अधिकारी दीपक कुमार ने शनिवार को बताया कि सफीदों निवासी प्रवीण ने पुलिस को शिकायत देकर कहा था कि शिल्लाखेड़ा निवासी विनोद ने फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेडगोल्ड लोन को चुकता करने के लिए दो लाख 99 हजार रुपये का लोन लिया था।

हमला कर बाइक सवार दो युवकों को किया घायल

जींद। गांव सिल्लाखेड़ी में पिगरी फार्म के सामने मजूदरों से बातचीत कर रहे बाइक सवार दो युवकों पर फार्म मालिक ने अपने दोस्तों के साथ मिल कर हमला कर दिया। सदर थाना सफीदों पुलिस ने घायल की शिकायत पर तीन लोगों को नामजद कर छह-सात अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।
गांव सिंघाना निवासी अमर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने दोस्त अनमोल के साथ अपने गांव कारखाना स्थित अपने फार्म पर गया हुआ था।

दुकान में घुस कर किया हमला, दर्जनभर पर केस

जींद। गांव हाट में तेजरफ्तार बाइक गली में चलाने से रोका तो आरोपित ने परिजनों के साथ मिल कर हमला कर दिया। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर पर पांच लोगों को नामजद कर सात अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव हाट निवासी आशीष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बाइक पर सवार हो कर घर लौट रहा था। उसी दौरान गांव का प्रदीप तेजरफ्तार से बाइक चलाता हुआ आया। वह भिड़ंत से बाल-बाल बचा। जिसको लेकर आपस में कहासुनी हो गई। जिसके बाद वह अपनी दुकान पर लौट आया।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस संगठनात्मक मीटिंग आज

उचाना। एसआईआर को लेकर कांग्रेस की संगठनात्मक मीटिंग 7 को राजीव गांधी कालेज उचाना सभागार में होगी। जिलाध्यक्ष ऋषिपाल पहुंचेंगे। कांग्रेस बीएलए-1 जुगमिंद्र ने बताया कि उचाना विस के 223 बीएलए-2 पदाधिकारियों की एसआईआर अभियान, संगठन की गतिविधियों बूथ सशक्तिकरण सहित महत्वपूर्ण विषयों पर बैठक का आयोजन है।

महाविद्यालयों में यूजी कोर्स में एडमिशन को लेकर नया शेड्यूल जारी किया

विद्यार्थी 17 तक पसंदीदा संकाय में कर सकते हैं बदलाव, दस्तावेजों का सत्यापन 22 जून तक किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

उच्चतर शिक्षा विभाग में कालेजों में यूजी कोर्स में दाखिले को लेकर नया शेड्यूल जारी कर दिया है। विभाग द्वारा जारी नए शेड्यूल के अनुसार एक ओर जहां आनलाइन आवेदन 15 जून तक चलेंगे। वहीं विद्यार्थी 17 जून तक अपने पंसदीदा संकाय में बदलाव कर सकते हैं। इसके बाद जिन विद्यार्थियों के आवेदन में कोई आपत्ति या त्रुटि होगी तो उसकी सूची 18 जून को जारी होगी। कालेज कमेटी द्वारा दस्तावेजों का सत्यान 22 जून तक किया जाएगा। इसके बाद 26 जून को पहली प्रोविजनल और 27 जून को फाइनल मेरिट लिस्ट जारी होगी। पहली मेरिट लिस्ट में स्थान पाने वाले विद्यार्थी 28 जून से लेकर एक जुलाई तक अपनी फीस जमा करवा सकेंगे। इसके बाद खाली सीटों के लिए दो जुलाई को दूसरी प्रोविजनल और तीन जुलाई को फाइनल मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। दूसरी मेरिट लिस्ट में स्थान पाने वाले विद्यार्थी चार से सात जुलाई तक अपनी फीस जमा करवा सकेंगे। इसके बाद भी अगर कालेजों में विभिन्न संकायों में सीट खाली रह जाती हैं तो नौ जुलाई से फिजिकल काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होगी। 10 जुलाई को उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा दोबारा से पोर्टल खोला जाएगाए जिसमें विद्यार्थी नए आवेदन या पहले किए आवेदनों में दाखिले के लिए संकाय में बदलाव कर सकते हैं। इसके बाद 11से लेकर 17 जुलाई तक 100 रुपये लेट फीस के साथ दाखिले होंगे। अगर इसके बाद भी सीट खाली रह जाती है तो 18 से 24 जुलाई तक पहले वाले 100 रुपये और हर रोज 100 रुपये लेट फीस के साथ दाखिले होंगे राजकीय पीजी कालेज में अलग.अलग 13 संकायों में निर्धारित 2029 आवेदन आए हैं। वहीं अब तक एक हजार 30 आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन हो चुका है। राजकीय पीजी कालेज में बीए आटर्स में निर्धारित 600 सीटों पर 1036 आवेदन आए हैं। जबकि बीए इक्नोमिक्स में 40 सीटों पर 25, बीए इंग्लिश में 40 सीटों पर 46, बीए ज्योग्राफी में 40 सीट पर 72, बीए हिस्ट्री में 40 सीट पर 46, बीबीए में 40 सीटों पर 126, बीकाम में 220 सीटों पर 228, बीसीए में 120 सीटों पर 285, बैचलर आफ साइंस इन लाइफ साइंस में 170 सीटों पर 212, बैचलर आफ साइंस इन फिजिकल साइंस में 300 सीटों पर 130, बैचलर आफ साइंस इन कैमिस्ट्री में 40 सीटों पर 62, बैचलर आफ साइंस विद मैजर इन मैथ में 40 सीटों पर 71 और बैचलर आफ साइंस विद मैजर इन फिजिक्स में 40 सीटों पर 60 आवेदन आ चुके हैं। राजकीय महिला कालेज में अलग.अलग नौ संकायों में अब तक 1198 आवेदन आ चुके हैं। जबकि 753 दस्तावेजों का सत्यापन हो चुका है। राजकीय महिला कालेज में बीए आटर्स में 400 सीटों पर 695ए बीए इंग्लिश में 40 सीटों पर 43, बीए ज्योग्राफी में 40 सीटों पर 56, बीकाम में 200 सीटों पर 121ए बीसीए में 60 सीटों पर 122, बैचलर आफ साइंस इन लाइफ साइंस में 60 सीटों पर 160, बैचलर आफ साइंस इन फिजिकल साइंस में 160 सीटों पर 89, बैचलर ऑफ साइंस विद मेजर इन मैथ में 40 सीटों पर 49 और बैचलर आफ साइंस इन फिजिकस में 30 सीटों पर 45 आवेदन आ चुके हैं।

जींद। दाखिला आवेदन करते हुए छात्र। फोटो :हरिभूमि

पहली मेरिट लिस्ट 27 जून को जारी होगी

राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने बताया कि उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा कालेजों में दाखिले को लेकर मेरिट लिस्ट का नया शेड्यूल जारी कर दिया है। अब पहली मेरिट लिस्ट 27 जून को जारी होगी। पहली मेरिट लिस्ट में स्थान पाने वाले विद्यार्थी 28 जून से लेकर एक जुलाई तक अपनी फीस जमा करवा सकते हैं। वहीं आनलाइन आवेदन की तारीख 15 जून तक है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने पसंदीदा संकाय में आवेदन करें।

कछुआ गति से चल रहे जीर्णोधार से तीर्थ के तालाब में महज एक फुट पानी

आठ दिन बाद सोमवती अमावस्या डूबकी लगाने को तीर्थ में नहीं पानी

सोनीपत सांसद ने शासन व प्रशासन के रुख पर जताई बड़ी नाराजगी

लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं को कम आंक रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए जिस सोमवती अमावस्या के इंतजार में पांडवों ने 12 वर्षों तक इंतजार किया था उसके महत्व को सिस्टम संभालने वाले हल्के में ले रहे है। यही कारण है कि 15 जून को आ रही सोमवती अमावस्या पर लाखों श्रद्धालुओं के सामने तीर्थ के पानी में डूबकी लगाने की बड़ी समस्या खड़ी होती हुई दिखाई दे रही है। क्योंकि कच्छुआ गति से चल रहे जीर्णोधार के कारण तीर्थ के तालाब में महज एक-एक फूट पानी ही रह गया है। यह पानी भी बुरी तरह से सड़ चुका है। सोमवती अमावस्या पर श्रद्धालुओं के सामने पानी की समस्या का समाधान न होने पर सोनीपत.जींद सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने शासन.व प्रशासन से बड़ी नाराजगी जाहिर की है। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि तीर्थ पांडू पिंडारा में पानी व्यवस्था के लिए वे अधिकारियों को कई बार बोल चुके है। मगर इस सरकार में व्यवस्था ऐसी है कि सभी को सांप सूंघा हुआ है। सरकार गूंगी, बहरी और अंधी हो चुकी है। ना आम की सुनवाई है ना खास की। सरकार के जो विधायक और मंत्री है वे जनता के हितो से मूंह मोड़ चुके है। सोमवती अमावस्या पर देश भर से लाखों श्रद्धालु तीर्थ पांडू पिंडारा पर पहुंच कर अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पूजा व अर्चना करते है। मगर 15 जून को आ रही सोमवती अमावस्या पर शासन व प्रशासन की और से अभी तक व्यवस्था बेहद निराशा जनक है। इस मसले को वे देश की सबसे बड़ी पंचायत में गूंजा कर भाजपा सरकार की पोल खोलने का काम करेंगे। भाजपा सरकार लोगों की धार्मिक भावनाओं, लोगों की श्रद्धा को कितने हल्के में ले रही है यह बात लोकसभा में जग जाहिर करेंगे। अगर सोमवती अमावस्या पर समय रहते पानी की व्यवस्था नहीं हुई तो इसके लिए सिस्टम संभालने वालो को जिम्मेदार ठहराते हुए उस दिन खास निर्णय लिया जाएगा। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि जिस विभाग को और जिस ठेकेदार को तीर्थ पांडू पिंडारा के जीर्णोधार का जिम्मा दिया हुआ है वे लोग लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं को कम आंक रहे है। अधिकारी कहते हैं कि पानी की पाईपो के जरिए नहाने की व्यवस्था कर दी जाएगी। मगर अधिकारी इस बात को भूल गए हैं कि 200-400 लोगों के लिए तो ऐसी व्यवस्था हो सकती है, मगर लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह औपचारिकता बड़ी परेशानी देने वाली साबित होगी। ऐसे में सोमवती अमावस्या पर श्रद्धालुओं की भावनाओं से खिलवाड़ हुआ तो निश्चित तौर पर देश की राजधानी में गूंजने का काम करेंगे।

जींद। पांडु पिंडारा में सुखा नजर आ रहा तीर्थ का तालाब। फोटो :हरिभूमि

पांडवों ने परिजनों की आत्मा की शांति के लिए किया था पिंडदान

पांडवों ने परिजनों की आत्मा की शांति के लिए किया था पिंडदान तीर्थ पांडु पिंडारा के लिए किदवंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की थी। सोमवती अमावस्या के आने पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से यह माना जाता है कि पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्या पर यहां पिंडदान करने का विशेष महत्व है।

ढांड। नारेबाजी करते गांव कौल के ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

दूषित पानी कौल ड्रेन में डालने के विरोध में दूसरे दिन भी नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

गांव ढांड के गंदे पानी की निकासी गांव कौल की ड्रेन में डालने के लिए चल रहे कार्य के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित होकर मौके पर पहुंचे और प्रशासन तथा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना रोष जताया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान पब्लिक हेल्थ विभाग के एसडीओ जगदीश कुमार ने ग्रामीणों के कहने पर कार्य रुकवा दिया था तथा आश्वासन दिया था कि उच्च अधिकारियों और ग्रामीणों से बातचीत के बाद ही मामले में अगली कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि इसके बावजूद कुछ समय बाद विभाग द्वारा पाइप लाइन बिछाने के लिए पाइप मौके पर उतार दिए गए, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ी। प्रदर्शन में उपस्थित सरपंच प्रतिनिधि नरेश आढ़ती ने कहा कि ग्राम पंचायत को प्रशासन या सरकार की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि इतने महत्वपूर्ण मामले में पंचायत और ग्रामीणों को विश्वास में लिया जाना चाहिए था। प्रदर्शन में शामिल पूर्व सरपंच गुलाब सिंह ने कहा कि विभागीय अधिकारियों ने बातचीत के बाद ही आगे कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बावजूद मौके पर सामग्री उतार दी गई, जिससे ग्रामीणों में रोष है।

लोगों ने समर्थन दिया

नीरज गुनियाना ने कहा कि कौल की ड्रेन के आसपास शैक्षणिक संस्थान और सार्वजनिक स्थान स्थित हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि यहां गंदे पानी की निकासी की जाती है तो क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने प्रशासन से ग्रामीणों की भावनाओं और स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते निर्णय लेने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन को आसपास के कई गांवों के लोगों ने भी समर्थन दिया।

पैसे लेनदेन के विवाद में सल्फास खाकर दी जान

कैथल। जिले के गांव थेह बनेहड़ा में पांच हजार रुपये के लेन-देन को लेकर विवाद के बाद 40 साल के मजदूर ने सल्फास खाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक की पत्नी ने गांव के सरपंच समेत 3 लोगों पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। चीका थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चीका पुलिस को दी शिकायत में गांव थेह बनेड़ा की मीरा देवी ने बताया कि उसके पति मलूका राम मजदूरी का काम करते थे। 6 दिन पहले गांव के सरपंच रामपाल के साथ पांच हजार के लेन-दने को लेकर विवाद हुआ था, जिसमें उसके पति को चोटें भी लगी थीं। शुक्रवार को पंचायत होने के बाद मामले का समझौता भी हो गया था। समझौते के बाद घर लौटे पति मलुका ने बताया कि सरपंच ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है।

राजौंद। हवलदार महेंद्र सिंह राणा को अंतिम विदाई देते पूर्व सैनिक व ग्रामीण।

बीर बांगड़ा के हवलदार महेंद्र सिंह राणा पंचतत्व में विलीन

राजौंद। गांव बीर बांगड़ा के वीर सपूत, 5 राजपूत रेजीमेंट सी कंपनी के शूरवीर योद्धा हवलदार महेंद्र सिंह राणा (74) का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे 1971 के भारत-पाक युद्ध के वीर सैनिकों में शामिल रहे और छम झोड़िया सेक्टर में दुश्मनों को कड़ी टक्कर देकर अपनी वीरता का परिचय दिया था। हवलदार महेंद्र सिंह राणा ने सेना में रहते हुए खेलों के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। वे सर्विसेज बॉक्सिंग टीम के सक्रिय सदस्य रहे और अपनी रेजीमेंट का नाम रोशन किया।उनकी अंतिम यात्रा में पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल के सदस्य बड़ी संख्या में उनके पैतृक गांव पहुंचे। एसोसिएशन के प्रधान जगजीत फौजी के नेतृत्व में कैप्टन मुख्तार सिंह जांगड़ा, कैप्टन राजेंद्र सिंह राणा, रिशालदार कर्मवीर भाल, सूबेदार हरि पाल सहित अनेक पूर्व सैनिकों ने पार्थिव शरीर पर तिरंगा ओढ़ाकर उन्हें अंतिम सम्मान दिया। श्मशान घाट पर एसोसिएशन की ओर से पुष्प चक्र अर्पित किए गए। सूबेदार नाथा राम, सूबेदार ओमवीर सिंह (4 राजपूत), विंग कमांडर अशोक चौहान सहित सैकड़ों ग्रामीणों व परिजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

साइबर ठगी करने वाले गिरोह का सदस्य दबोचा

जींद। साइबर थाना पुलिस ने स्टॉक मार्केट में निवेश कर भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से 40 हजार रुपये की नगदी भी बरामद की है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। थाना साइबर क्राइम जींद के प्रभारी उप निरीक्षक जगदीप सिंह ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि गांव लोहचब निवासी राजेंद्र ने थाना साइबर क्राइम को दी अपनी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी सीमा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर रील्स देख रही थी। इसी दौरान उसे स्टॉक मार्केट में निवेश संबंधी एक विज्ञापन दिखाई दिया। विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद वह एक व्हाट्सअप ग्रुप में जुड़ गई। जहां निवेश के नाम पर आकर्षक योजनाएं बता कर लोगों को लालच दिया जाता था।

राजौंद पुलिस मारपीट के आरोपियों को अर्धनग्न में निशानदेही को लेकर जाते।

दुकान में घुस मारपीट के आरोपियों की अर्धनग्न परेड

कैथल। राजौंद दुकान में घुसकर हमला, तोड़फोड़ व दहशत फैलाने के मामले में पुलिस ने 7 आरोपियों को काबू कर लिया गया। आरोपियों में राजौंद निवासी महिपाल, विनोद, जालंधरी मोहला कैथल निवासी विशाल, बालाजी कॉलोनी कैथल निवासी मुना, अमरगढ़ गामड़ी कैथल निवासी आर्यन, पूंडरी निवासी कुलदीप तथा गांव हजवाना निवासी सुमित शामिल है। पुलिस ने सभी आरोपियों की राजौंद में अर्धनग्न परेड करवाई। थाना राजौंद एसएचओ इंस्पेक्टर रामनिवास ने जानकारी देते बताया कि राजौंद निवासी संदीप कुमार की शिकायत अनुसार 31 मई शाम 8:30 बजे कुछ व्यक्तियों ने उसकी दुकान पर पहुंचकर हमला किया, दुकान के ताले तोड़े तथा उसके व उसके परिवार के साथ मारपीट की। अगले दिन 1 जून को आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दोबारा शिकायतकर्ता की दुकान पर हमला किया। शिकायतकर्ता और उसके परिवार को जान से मारने की धमकियां दीं। जिस बारे थाना राजौंद में मामला दर्ज किया गया। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार मामले में त्वरित कार्रवाई करते सभी आरोपियों को काबू किया गया।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दोस्त घायल

कैथल। जिले के गांव मालखेड़ी के बस अड्डे के पास दो बाइकों की टक्कर में एक 18 साल के युवक की मौत हो गई जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौप दिया। पुलिस को दी शिकायत में गांव सांघन के सतबीर ने बताया कि उसका बेटा पारस (18) अपने दोस्त तनवीर के साथ 4 जून की शाम करीब 4:20 बजे बाइक से कैथल जा रहा था। बाइक को तनवीर चला रहा था, जबकि पारस पीछे बैठा था। जब वे गांव मालखेड़ी बस अड्डे के पास पहुंचे तो दूसरी बाइक से उनकी टक्कर हो गई।बताया जा रहा है कि दोनों दोस्त गुरुवार शाम के समय कैथल में कपड़े खरीदने जा रहे थे। बताया जा रहा है कि बाइक को गांव नंद सिंह वाला निवासी रमन चला रहा था, जिसने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए हादसा किया।

सैद्धांतिक शिक्षा का जीवन कौशल से संबंध ही सार्थकता

जींद। आधारशिला विद्यालय में शिक्षकों के लिए सीबीएसई के तत्वावधान में कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑन एडवांस्ड लाइफ स्किल्स का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में प्रवीन और अंकित ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को जीवन कौशल आधारित शिक्षा की नवीन अवधारणाओं एवं प्रभावी शिक्षण रणनीतियों से परिचित कराना था। कार्यक्रम के दौरान संचार कौशल, आलोचनात्मक चिंतन, समस्या समाधान, बुद्धिमत्ता, सहयोगात्मक अधिगम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रशिक्षकों ने विभिन्न गतिविधियों जैसे केस स्टडी, समूह चर्चाओं एवं सहभागितापूर्ण अभ्यास के माध्यम से शिक्षकों को यह समझाया गया कि जीवन कौशलों का समावेश विद्यार्थियों के समग्र विकास में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यालय निदेशिका अंजू सिहाग व प्रधानाचार्य सतवीर सिंह गहलावत ने अपने संबोधन में बताया कि बाज के बदलते परिवेश में विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक रूप से सक्षम बनाना पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें जीवन की वास्तविक चुनोतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशलों से भी सुसज्जित करना आवश्यक है।

विश्व क्लबफुट दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम, जिला अस्पताल में 103 बच्चों का सफल उपचार

कैथल: क्लबफुट अब नहीं बनेगा बच्चों के सपनों में बाधा

सूरज सहारण ▶▶| कैथल

जिला नागरिक अस्पताल कैथल में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत ब अनुष्का फाउंडेशन के सहयोग से विश्व क्लबफुट दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को क्लबफुट (टेढ़े पैर) जैसी जन्मजात समस्या के प्रति जागरूक करना तथा इसके समय पर उपचार के महत्व के बारे में जानकारी देना था। जिला नागरिक अस्पताल के डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. विकास धवन ने बताया कि क्लबफुट एक जन्मजात विकृति है, जिसमें बच्चे के पैर जन्म से ही टेढ़े होते हैं। यदि इसका समय रहते उचित उपचार शुरू कर दिया जाए तो बच्चा पूरी तरह सामान्य जीवन जी सकता है। उन्होंने बताया कि जिला नागरिक अस्पताल के जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र के कमरा नम्बर 233 में क्लबफुट से पीड़ित बच्चों का उपचार प्रत्येक शुक्रवार को पूरी तरह निःशुल्क किया जाता है। डॉ. विकास धवन ने जानकारी देते हुए बताया कि क्लबफुट अब नहीं बनेगा बच्चों के सपनों में बाधा, जिला अस्पताल में निःशुल्क उपचार जारी है। अस्पताल में ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु बंसल द्वारा बच्चों के पैरों पर विशेष तकनीक से प्लास्टर किया जाता है, जिससे धीरे-धीरे पैर सामान्य स्थिति में आ जाते हैं। इसके अतिरिक्त फिजियोथेरेपिस्ट मिनाक्षी ढुल के द्वारा बच्चों की थैरपी की जाती है ब अनुष्का फाउंडेशन की ओर से बच्चों को उपचार के लिए आवश्यक विशेष जूते एवं ब्रेस भी निःशुल्क उपलब्ध करवाए जाते हैं, जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र मैनेजर जॉन्सी सचदेवा, स्पेशल एजुकेटर नीलू चावला ब ऑडियोलॉजिस्ट भुवन चावला के द्वारा बतलाया गया कि यहाँ बच्चों के उपचार की प्रक्रिया को अधिक प्रभावशाली बनाते हुए बच्चे का ईलाज करवाया जाता है।

जिला बाल रोग विशेषज्ञ डॉ अनिल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अस्पताल में अब तक 103 बच्चों का सफलतापूर्वक उपचार किया जा चुका है और उपचार के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उपचार प्राप्त करने वाले बच्चे आज सामान्य बच्चों की तरह चल-फिर रहे हैं, खेलकूद में भाग ले रहे हैं तथा दौड़ने में भी सक्षम हैं। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों को क्लबफुट के लक्षणों, उपचार की प्रक्रिया तथा समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने कहा कि यदि नवजात शिशु के पैरों में किसी प्रकार की असामान्यता दिखाई दे तो तुरंत चिकित्सकों से संपर्क करना चाहिए, ताकि उपचार में देरी न हो।

जरूरतमंदों को उपचार से जोड़ने का संदेश

डॉ. विकास धवन ने सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि क्लबफुट से पीड़ित बच्चों को समाज में किसी भी प्रकार की हीन भावना से न देखा जाए। उचित उपचार और देखभाल के माध्यम से ऐसे बच्चे भी सामान्य बच्चों की तरह स्वस्थ एवं सफल जीवन जी सकते हैं। उन्होंने अनुष्का फाउंडेशन द्वारा दिए जा रहे सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि संस्था के सहयोग से अनेक बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। विश्व क्लबफुट दिवस के अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक रहने तथा अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों को उपचार से जोड़ने का संदेश दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

फीफा वर्ल्ड कप 2026

रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट

48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी

साशा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लैमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48 फुटबॉल टीमें एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई एक देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्निवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पोंसरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पोंसरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेनडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेगी और इस बार दुनिया की नजरें खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्यालियन मबापे, जूड बेलिंघम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जूनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रोनाल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो यह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रोनाल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रोनाल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रोनाल्डो इस महान खेल का हिस्सा हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।

कविता

पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा
सुबह फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिले-खिले मनभावन खुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

एआई इमेज

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैंट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैंट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहां ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाईं और चादरों की तारीफ करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए- ए वन!' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है!'

'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाईं। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! *

व्यंग्य / विनोद कुमार विक्की

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वैच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी, मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूंढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

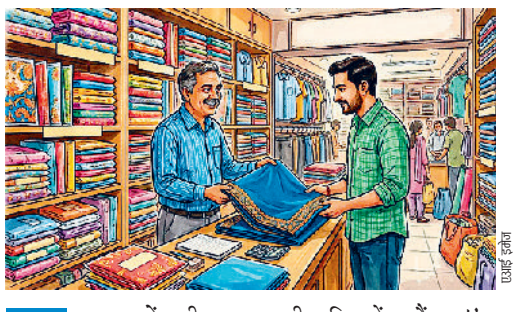

मजेदार बात यह है कि कैमरे के कारण हमें नकली मुस्कान हासिल होती है, जबकि कुछ घटनाएं स्वाभाविक (नेचुरल) मुस्कान का अवसर भी प्रदान करती हैं। दूसरों की असफलताओं पर, पड़ोसियों को दुःखी देखकर अथवा रिश्तेदारों के नुकसान या पतन पर भी एक हल्की-सी 'आंतरिक मुस्कान' जरूर उग आती है, जिसे हम सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए चेहरे पर प्रकट नहीं होने देते। आत्मिक सुख के साथ हम मन ही मन उसका आनंद लेते रहते हैं। यद्यपि चलते-फिरते किसी परिचित चेहरे से सामना होने पर भी मुस्कुराने का अभिनय किया जाता है।

मुस्कुराहट के नवीनीकरण की जिम्मेदारी अब तो शहर में लगी तख्तियों ने अपने ऊपर ले रखी है, 'मुस्कुराइए, आप झुमरीतलैया में हैं', 'मुस्कुराइए, आप हाईटेक स्माइल सिटी में हैं!' असल में ये कोई साधारण संदेश नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुस्मारक हैं, 'भाई, यहां मुस्कुराना मत भूल जाना, वरना लोग पहचान लेंगे कि तुम सच में परेशान हो!' मनोचिकित्सक भी सलाह देते हैं, 'हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए।' इसी सलाह को उद्योग का रूप देते हुए लाफ्टर शो, हास्य कवि सम्मेलन और अब रील संस्कृति भी मैदान में उतर चुकी है। लोग हंसने के लिए वीडियो देखते हैं और वीडियो बनाने के लिए हंसते हैं, यह एक आत्मनिर्भर चक्र है। मुस्कान अब भाव नहीं, एक 'प्रोजेक्ट' बन चुकी है, जिसका उद्घाटन कैमरे के सामने होता है और समापन तुरंत बाद। इसलिए अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। अंततः निष्कर्ष यही है कि आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की कतरनें

वरिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

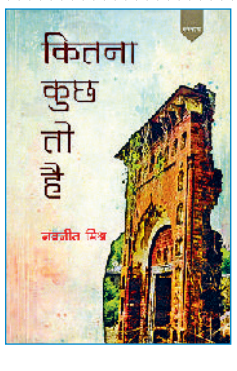

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। *

पुस्तकः कितना कुछ तो है (संस्मरण), **लेखकः** नवनीत मिश्र, **मूल्यः** 450 रुपए, **प्रकाशकः** भावना प्रकाशन, दिल्ली

शिमला समर फेस्टिवल – 2026

सजेगी सांस्कृतिक रंगों की छटा

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में आयोजित होने वाले सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल। कल से शुरू हो रहे इस आयोजन में देश-विदेश के पर्यटक हिमाचल समेत देश की विविधरंगी संस्कृति की मोहक छटा से रूबरू हो सकेंगे। इस आयोजन की खासियतों पर एक नजर।

कल्चरल इवेंट
धीरज बसाक

जून की तपती गर्मी जब उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को झुलसाने लगती है, तब हिमालय की गोद में बसा शिमला रंगों, संगीत और लोक संस्कृति के एक उत्सवी खुमार में डूब जाता है। आगामी 8 से 12 जून तक आयोजित होने वाला इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल इस बार केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन का एक बड़ा उत्सव बनकर सामने आ रहा है।

साढ़े छह दशक पुराना उत्सव: शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान और माल रोड पर होने वाला यह पांच दिनों का सांस्कृतिक महोत्सव, देशभर के पर्यटकों, कलाकारों और संस्कृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। सन् 1960 में शुरू हुआ यह उत्सव, हिमाचल प्रदेश के सबसे पुराने सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। इसकी शुरुआत राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय संस्कृति को मंच देने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन इतना लोकप्रिय हो गया कि आज इसे उत्तर भारत के प्रमुख ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक महोत्सवों में गिना जाता है।

शिमला समर फेस्टिवल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी संजोए रखना चाहता है। हिमालय की ठंडी हवाओं के बीच लोकनृत्य, संगीत, कला और परंपरा का यह संगम साबित करता है कि संस्कृति केवल इतिहास नहीं बल्कि वर्तमान और भविष्य की बड़ी ताकत है।

सांस्कृतिक विविधता के होंगे दर्शन: शिमला समर फेस्टिवल की सबसे बड़ी पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता है। यहां केवल हिमाचली लोककला ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की लोक परंपराएं भी एक मंच पर दिखाई देती हैं। इस बार उत्तराखंड का चोलिया नृत्य, जम्मू-कश्मीर का गोजरी नृत्य, राजस्थान का भवई और घूमर नृत्य के साथ ही तिब्बती सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी शामिल किया जाएगा। इससे यह आयोजन देश की मिली-जुली संस्कृतियों की झांकी दिखाएगा। हिमाचल की प्रसिद्ध महानाटी और पारंपरिक नाटी नृत्य इस उत्सव का मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। नाटी केवल एक लोकनृत्य नहीं बल्कि पहाड़ी समाज की सामूहिक सांस्कृतिक स्मृति है, जब सैकड़ों कलाकार एक साथ पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हैं, तो पूरा रिज मैदान जीवंत लोकचित्र में बदल जाता है। यही दृश्य हर वर्ष हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

नाटी लोकनृत्य करते स्थानीय कलाकार

होता है विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

आयोजित होते हैं ट्रेडिशनल फैशन शोज

माल रोड पर फेस्टिवल का विहंगम दृश्य

कलाकारों को मिलेगा अवसर: आयोजकों के अनुसार, इस साल लोकप्रिय गायकों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां हर शाम आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा युवा कलाकारों को भी मंच दिया जाएगा। आयोजन के दौरान इस तरह की पहल स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में मदद करेगी।

अर्थव्यवस्था में योगदान: यह उत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। होटल, टैक्सी, रेस्त्रां, हस्तशिल्प व्यवसाय और स्थानीय बाजारों में पर्यटकों की संख्या बढ़ने से आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। शिमला का प्रसिद्ध लक्कड़ बाजार, हस्तनिर्मित लकड़ी के उत्पादों और स्थानीय शॉलों के लिए जाना जाता है, जहां इस दौरान काफी भीड़ दिखाई देती है। फूड फेस्टिवल भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां पर पर्यटकों को पारंपरिक हिमाचली व्यंजन जैसे सिड्डू, मदरा, बबरू और धाम का स्वाद लेने का अवसर मिलता है।

सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम: शिमला समर फेस्टिवल, केवल एक पर्यटन कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम है। तेजी से बदलती जीवनशैली और डिजिटल मनोरंजन के दौर में ऐसे आयोजन स्थानीय परंपराओं को जीवित रखने का काम करते हैं। युवा पीढ़ी यहां लोकनृत्य, लोकसंगीत और क्षेत्रीय कलाओं से परिचित होती है, जिससे सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ती है। शिमला का रिज मैदान ब्रिटिश काल से ही विभिन्न तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यह ऐतिहासिक स्थल आज भी शहर की सांस्कृतिक पहचान बना हुआ है। इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल के दौरान जब शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाता रिज मैदान, लोकसंगीत की धुनों से गूंजता है तो शिमला ही नहीं पूरे हिमाचल प्रदेश की उत्सवधर्मिता देखते ही बनती है। *

खास है इस बार का आयोजन

इस साल का इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल, कई दृष्टियों से खास और अलग होगा। इस आयोजन में लोकनृत्य, संगीत प्रस्तुतियां, कला प्रदर्शनियां, फ्लावर शो, फूड फेस्टिवल, ट्रेडिशनल माउंटेनियरिंग फैशन शो और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियां देखने को मिलेंगी। इसके साथ ही पहली बार 'राइड ऑफ सेवन हिल्स' नामक हेलिकॉप्टर जॉय राइड भी शामिल की जा रही है, जिसके जरिए पर्यटक शिमला की सात पहाड़ियों का हवाई दृश्य देख सकेंगे।

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

सफलता पाने के लिए टैलेंट और हार्ड वर्क तो जरूरी है ही, इसके साथ बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति भी मायने रखती है। क्या है बिहेवियर कल्चर, सक्सेस में क्या होती है इसकी भूमिका, आपको जरूर जानना चाहिए।

सक्सेस के लिए वर्क के साथ बिहेवियर कल्चर भी जरूरी

अधिकांश लोग मानते हैं कि सफलता सिर्फ प्रतिभाशाली यानी टैलेंटेड लोगों को ही मिलती है। लेकिन सच यह है कि सफलता सिर्फ टैलेंट से नहीं, बल्कि वर्क और बिहेवियर कल्चर से भी प्रभावित होती है। इन दोनों क्वालिटीज को अपनाकर एक औसत दर्जे का व्यक्ति या ऐसे लोगों की टीम भी सफलता हासिल कर सकती है। 'वर्क कल्चर' के बारे में तो लोग फिर भी जानते हैं लेकिन बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति को लेकर आपके मन में जिज्ञासा हो सकती है, इसलिए इसे समझना भी जरूरी है।

क्या होता है बिहेवियर कल्चर

बिहेवियर कल्चर का तात्पर्य उन तौर-तरीकों, सामाजिक मानदंडों, मूल्यों और आचरण के नियमों से है, जो किसी समाज या समूह में व्यक्तियों के एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और प्रतिक्रिया देने के तरीके को निर्मित करते हैं। डैनियल कॉयल ने अपनी पुस्तक 'द कल्चर कोड' में बेहतरीन टीमों और समूहों के सफल होने के पीछे के रहस्यों को उजागर किया है। डैनियल ने दुनिया की सबसे सफल टीमों का अध्ययन कर पाया कि उनकी सफलता तीन स्तंभों पर टिकी है-

सुरक्षा का निर्माण: टीम के सदस्यों को यह महसूस कराना कि वे सुरक्षित हैं और एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

कमियों को साझा करना: अपनी कमियों को स्वीकार करना ताकि आपसी विश्वास, सहयोग बढ़े।

उद्देश्य स्थापित करना: वर्तमान काम को भविष्य के एक साझा लक्ष्य या उद्देश्य से जोड़ना।

ऐसे अपनाएं बिहेवियर कल्चर

आप अपनी प्रोफेशनल या बिजनेस करियर में बिहेवियर कल्चर को कुछ इस तरह लागू कर सकते हैं-

अपनी कमियों को स्वीकारें: अकसर लोग अपनी गलतियों को छुपाते हैं ताकि वे कमजोर न लगें। लेकिन शोध बताते हैं कि जब लीडर अपनी कमजोरी साझा करता है, तो टीम के बीच परस्पर खुलापन और विश्वास बढ़ता है। जब आप कहते हैं, 'मैंने यहां गलती की, आपकी क्या राय है?' तो आप दूसरों को मदद करने और ईमानदारी दिखाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

सुनने की कला विकसित करें: जब आप ध्यान से सुनते हैं, तो आप टीम में अपना महत्व बढ़ा लेते हैं। सुनते समय लोगों को बीच में न टोकें और वक्ता के विचारों को विस्तार देने वाले प्रश्न पूछें। जब कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे गहराई से सुना गया है, तो उसका जुड़ाव और जिम्मेदारी का भाव बढ़ जाता है।

साझा लक्ष्य की शक्ति: यदि सबको पता है कि मंजिल कहां है, तो रास्ता आसान हो जाता है। अपनी टीम को याद दिलाते रहें कि उनका काम बड़े लक्ष्य में कैसे योगदान दे रहा है। टीम को सिर्फ 'क्या करना है' न बताएं, बल्कि 'क्यों करना है' पर भी जोर दें।

अहंकार को दूर रखें: सफल व्यवहार संस्कृति में 'पद' से ज्यादा 'विचार' को महत्व दिया जाता है। जहां हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी होती है, वहीं नए आइडियाज जन्म लेते हैं।

छोटे व्यवहार, बड़ा बदलाव: समय पर आना, दूसरों की मेहनत की सराहना करना और कठिन समय में साथ खड़े होना। ये छोटी-छोटी आदतें और व्यवहार निवेश की तरह हैं, जो भविष्य में टीम की मजबूती के रूप में 'कंपाउंड इंटरेस्ट' देते हैं।

नकारात्मकता पर लगाएं लगाम: अगर कोई व्यक्ति लगातार नकारात्मकता फैला रहा है या दूसरों को नीचा दिखा रहा है, तो ऐसे व्यवहार को तुरंत नकारें ताकि समूह की सामूहिक ऊर्जा और विश्वास सुरक्षित रहे।

फीडबैक का सही तरीका अपनाएं: किसी को उसकी गलती नीचा दिखाने या डांटने के लिए नहीं बल्कि सुधार और उसे क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने की प्रेरणा देने के लिए बताएं। गलती बताते हुए हमेशा यह जताएं कि आप फीडबैक इसलिए दे रहे हैं क्योंकि आपको उनकी क्षमता पर भरोसा है। *

ट्रेडिशन / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

भारत समेत दुनिया के कई देशों के जनजातीय समुदायों में महिलाओं के लिए कुछ अजीबो-गरीब और कष्टप्रद परंपराएं प्रचलित हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अजब-अनोखी जनजातीय परंपराएं

प्राचीन काल से ही भारत सहित दुनिया के कई देशों में रहने वाले जनजातीय समाजों में अनेक ऐसी परंपराएं मौजूद रही हैं, जो शारीरिक तौर पर बहुत तकलीफदेह होती हैं। इनमें भी ज्यादातर पैनिक ट्रेडिशंस महिलाओं से जुड़ी हैं। ऐसी ही कुछ अजीबो-गरीब ट्रेडिशंस के बारे में यहां बता रहे हैं।

गले में धातु के छल्ले: म्यांमार देश में रहने वाली कायन जनजाति की महिलाएं अपने गले में पीतल या ब्रास धातु के बने छल्ले पहनती हैं। कहा जाता है कि इससे उनकी गर्दन जिराफ की गर्दन की तरह लंबी हो जाती है। ब्रास या पीतल की धातु के इन छल्लों का वजन करीब 20 किलो तक होता है। इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इनको पहनकर महिलाएं कैसे रहती होंगी और कैसे खेतों में काम करती होंगी। वे महिलाएं अपने गले में ये छल्ले एक के ऊपर एक करके पहनती हैं। इसमें नीचे सबसे बड़े आकार का छल्ला होता है और ऊपर की तरफ पहने जाने वाले छल्ले छोटे होते जाते हैं। वहां पर बचपन से ही लड़कियों के गले में छल्ले डालने लगते हैं, जिससे उनके गले का आकार सुराहीनुमा और लंबा होता जाता है।

इस प्रथा के शुरू होने के पीछे यह मान्यता थी कि लंबी गर्दन वाली महिलाएं बदसूरत नजर आएंगी तो उसे दूसरी जनजाति के लोग अगवा नहीं करेंगे। इस तरह वो खुद को सुरक्षित रखने के लिए गर्दन लंबी करती थीं। इसके पीछे की एक मान्यता यह भी है कि जिन जंगली गांवों में ये लोग रहते हैं, वहां बाघ भी पाए जाते हैं, जो अकसर इंसानों पर हमला कर देते हैं। हमले में बाघ सबसे पहले इंसान की गर्दन पर हमला करते हैं, इसलिए यहां की महिलाओं ने अपने गले को धातु के छल्लों से ढंकना शुरू कर दिया।

काले दांत की परंपरा: ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार जापान में रहने वाली कुछ जनजातीय महिलाएं विवाहित होने पर अपने दांतों को काले रंग से रंगती थीं, जिसे 'ओहागुरो' कहा जाता था। ओहागुरो में महिलाओं द्वारा लोहे के बुरादे और सिरके के मिश्रण से दांतों को काला किया जाता था।

9वीं से 19वीं शताब्दी तक प्रचलित रही यह प्रथा सुंदरता, विवाह और उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक थी। दांत काले करने का सबसे बड़ा उद्देश्य दांतों की सुरक्षा करना हुआ करता था। यह दांतों की सड़न को रोकने में मदद करती थी। इसमें उपयोग होने वाले मिश्रण में लौहतत्व और हर्बल टैनिन होते थे, जो दांतों को मजबूत बनाते और कीड़ों से बचाते थे। इसे आधुनिक डेंटल सीलेंट के समान माना जाता है।

जापान के अलावा वियतनाम, थाईलैंड, लाओस तथा फिलीपींस की हिल ट्राइब्स में भी ये परंपरा प्रचलित थी। यही नहीं, इंडोनेशिया और पेरू में जनजातियों द्वारा सांस्कृतिक पहचान के रूप में भी इसे अपनाया जाता था। हालांकि 1870 में जापान में इस परंपरा पर प्रतिबंध लगा दिया गया। दरअसल, पश्चिमी सौंदर्य मानकों और वहां की महारानी के बिना काले किए दांत दिखने के बाद यह बदलाव आया। धीरे-धीरे यह प्रथा केवल नाटकों और त्योहारों तक सीमित हो गई। आजकल, ओहागुरो को केवल कुछ जापानी त्योहारों, ऐतिहासिक फिल्मों आदि में ही देखा जा सकता है।

होंठों में प्लेट: इथियोपिया के ओमो घाटी में रहने वाली जनजातियों में से एक है मुर्सी जनजाति। ये लोग कई तरह के पारंपरिक वस्त्र और आभूषण पहनते हैं। इस जनजाति की महिलाओं द्वारा निचले होंठ में मिट्टी या लकड़ी की प्लेट (डिस्क) पहनना सुंदरता, परिपक्वता और सामाजिक स्थिति का प्रतीक माना जाता है। 15 से 16 साल की उम्र की लड़कियों में इस परंपरा को किया जाता है। इसमें निचले होंठ को काटा जाता है, फिर घाव भरने तक गीले कपड़े से ढंककर रखा जाता है। फिर उसमें प्लेट फंसा दी जाती है। होंठ को खींचकर उसमें प्लेट डालने की यह प्रक्रिया बेहद दर्दनाक होती है।

होंठों में प्लेट पहनने का चलन अविवाहित लड़कियों और नवविवाहित महिलाओं में अधिक देखने को मिलता है। आमतौर पर इन्हें पुरुषों को भोजन परोसने, गायों का दूध दुहने और शादी जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों के दौरान पहना जाता है। इस प्लेट के कई अर्थ हैं। पहला, यह अत्यधिक सुंदरता का प्रतीक है। दूसरा, यह पति के प्रति निष्ठा का भी प्रतीक है इसीलिए पति को भोजन परोसते समय इसे बड़े गर्व से पहना जाता है। *

नाक में लकड़ी के प्लग लगाना

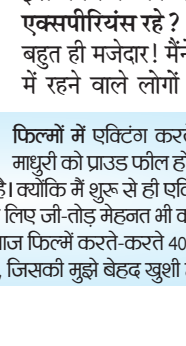

अपने देश के खूबसूरत राज्य अरुणाचल प्रदेश की घाटियों में रहने वाली अपतानी जनजाति अपनी अनोखी संस्कृति और परंपराओं के लिए मशहूर है। इस जनजाति की महिलाओं में चेहरे पर टैटू और नाक में दोनों ओर काली लकड़ी के प्लग लगाने की परंपरा रही है। यह अनोखी प्रथा इन्हें अन्य समुदायों से अलग करती है और उनकी एक अलग पहचान बनाती है। जहां आमतौर पर महिलाओं में नाक छिदवाना सुंदरता का प्रतीक माना जाता है, वहीं इन जनजातियों में यह प्लग पहनना आकर्षण और विशेष सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है।

बीते 4 जून को माधुरी दीक्षित नेने की फिल्म 'मां-बहन' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में दो यंग बेटियों की सिंगल मदर का रोल उन्होंने क्या सोचकर एक्सेप्ट किया? लंबे गैप के बाद कॉमेडी करके उन्हें कैसा लगा? फिल्मों में चार दशक गुजारने पर वे कैसा फील करती हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत माधुरी दीक्षित नेने से।

फिल्म 'मां-बहन' में मैं बिंदास मां बनी हूं: माधुरी दीक्षित नेने

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

बॉलीवुड दिवा माधुरी दीक्षित नेने, अपनी खूबसूरत मुस्कान, शोख अदाओं और कमाल की अभिनय क्षमता के बल पर सालों से दर्शकों को दीवाना बनाती आई हैं। हर रोल को वह बेहतरीन तरीके से परफॉर्म करती हैं। माधुरी की एक्टिंग परफॉर्मेंस का कमाल एक बार फिर नेटफ्लिक्स पर हाल ही में रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में दर्शकों को देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में माधुरी दो बेटियों की सिंगल मदर का किरदार निभा रही हैं। लेकिन यह सिंगल मदर बेचारी नहीं बल्कि शोख अदाओं का जादू बिखेरने वाली बिंदास और सशक्त मां है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, रवि किशन, धरना दुर्गा, गीतांजलि कुलकर्णी, शार्दुल भारद्वाज और अरुणोदय सिंह भी हैं। इस फिल्म की कहानी पूजा तोलानी और सुरेश त्रिवेणी ने लिखी है। फिल्म को डायरेक्ट किया है सुरेश त्रिवेणी ने। पेश है माधुरी दीक्षित नेने से इस फिल्म को लेकर हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

नेटफ्लिक्स पर रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में कौन-सी बात आपको ऐसी लगी, जो आपने फिल्म में दो जवान बेटियों की सिंगल मदर की भूमिका निभाने का मन बना लिया?

इस फिल्म में भले ही मैं दो बेटियों की सिंगल मदर हूं, लेकिन मैं बेचारी और दुखियारी मां नहीं हूं, बल्कि इस फिल्म में मैं ऐसी मां बनी हूं, जो अपनी उम्र की परवाह न करते हुए एकदम ग्लैमरस और बिंदास दिखती है। फिल्म में मेरे किरदार का नाम रेखा है। रेखा अपना परिवार चलाने के लिए कभी साइबर कैफे तो कभी वाइन शॉप में काम करती है। साथ ही अपनी अदाओं से मर्दों को घायल करके अपना उल्लू भी सीधा कर लेती है। मेरा किरदार इस फिल्म में परंपरागत मां से बिल्कुल अलग है। मैं इस फिल्म में जिंदगी को पूरी तरह जीने वाली बिंदास मां बनी हूं। यह अपने आप में एकदम अलग भूमिका है और मजेदार भी। मुझे खुशी है कि मेरी इस फिल्म 'मां बहन' को दर्शकों का प्यार मिल रहा है। क्रिटिक्स को भी फिल्म पसंद आ रही है, इसे अच्छे रिव्यूज और रेटिंग्स मिल रहे हैं।

क्या इस फिल्म का टाइटल 'मां-बहन' आपको बहुत अटपटा नहीं लगा?

फिल्म के डायरेक्टर और को-राइटर सुरेश त्रिवेणी जब पहली बार मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाने आए तो मैंने फिल्म का टाइटल पूछा। जब सुरेश जी ने फिल्म का टाइटल 'मां बहन' बताया तो मुझे लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। लेकिन जब मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी तो मुझे फिल्म का टाइटल सही लगा, क्योंकि यह टाइटल फिल्म की कहानी से पूरी तरह रिलेट करता है।

फिल्म के एक सीन में तृप्ति डिमरी, धरना दुर्गा के साथ माधुरी दीक्षित

आप इस फिल्म में काफी समय बाद कॉमेडी करती दिखीं। कैसा अनुभव रहा?

मुझे हमेशा से कॉमेडी फिल्म में काम करना पसंद रहा है। जब मुझे 'मां-बहन' फिल्म ऑफर हुई तो मुझे इसकी कहानी बहुत अच्छी लगी, क्योंकि इस फिल्म में लड़कियों और महिलाओं की भावनाओं को हास्य रूप में प्रस्तुत करते हुए एक बेहतरीन भावनात्मक कहानी को पेश करने की कोशिश की गई है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो जिंदगी के कई रंगों को प्रस्तुत करती है। इस फिल्म के जरिए मेरी डार्क कॉमेडी में एंट्री हुई है। इस फिल्म में क्राइम, थ्रिल और इमोशंस के साथ-साथ कॉमेडी को भी डिफरेंट तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह पूरी फैमिली के साथ बैठकर देखी जाने लायक एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म है।

इस फिल्म की शूटिंग के दौरान कैसे एक्सपीरियंस रहे?

बहुत ही मजेदार! मैंने इसमें एकदम उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोगों की स्टाइल में डायलॉग्स बोले हैं, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। सेट पर माहौल बहुत अच्छा रहता था। फिल्म में मेरी बेटियों का रोल निभा रहीं तृप्ति डिमरी और धरना दुर्गा के साथ मैं खूब मस्ती-मजाक करती थी। चूंकि यह फिल्म सस्पेंस मर्डर और कॉमेडी से भरपूर मजेदार कहानी है, इसलिए सेट पर माहौल भी पॉजिटिव और हंसी-मजाक वाला रहता था। सुरेश त्रिवेणी बहुत ही अच्छे कहानीकार और डायरेक्टर हैं, वो सेट पर हमेशा हल्का-फुल्का और पॉजिटिव माहौल रखते थे।

जब आप अपने फिल्मी सफर को याद करती हैं तो किन फिल्मों को लेकर आपको बेहद खुशी होती है?

मेरी कई ऐसी फिल्में हैं, जो सिर्फ सफल ही नहीं हुईं बल्कि जिसने मुझे और मेरे किरदार को भी यादगार बनाया, 'देवदास', 'हम आपके हैं कौन', 'तेजाब', 'दिल तो पागल है' ऐसी कितनी ही फिल्में हैं, जिनमें अभिनय करके मुझे संतुष्टि और खुशी मिली।

आप पर फिल्माए गए कई गाने आज भी पॉपुलर हैं, जैसे 'धक-धक करने लगा', 'चोली के पीछे क्या है' आदि। इन सॉन्ग्स को लेकर आप क्या कहेंगी?

मुझे खुशी होती है कि मेरे ऊपर फिल्माए गए गाने आज की पीढ़ी भी पसंद करती है। मैं जिस भी पार्टी फंक्शन में जाती हूं, वहां 'धक धक' गाने पर लड़कियों का डांस मुझे देखने को मिलता है। मैं खुद कई बार इस गाने पर पार्टी फंक्शन में डांस कर चुकी हूं। इसी तरह 'एक दो तीन', 'चोली के पीछे क्या है', 'चने के खेत में' और 'डोला रे डोला' जैसे सभी गाने आज भी पॉपुलर हैं, यह देखकर खुशी मिलती है। *

एक्टिंग करते बीत गए 40 साल

फिल्मों में एक्टिंग करते 40 साल बीतने पर क्या माधुरी को प्राउड फील होता है, पूछने पर वह कहती हैं, 'प्राउड तो नहीं कह सकती हां, खुशी जरूर होती है। क्योंकि मैं शुरू से ही एक्टिंग लाइन में आना चाहती थी। मैंने अपने आपको फिल्मों में स्टेब्लिश करने के लिए जी-तोड़ मेहनत भी की है। शुरुआत में तो लगता था कि पता नहीं मैं सफल होऊंगी या नहीं, लेकिन आज फिल्में करते-करते 40 साल निकल गए और इन सालों में मैंने कई बेहतरीन और यादगार फिल्में की, जिसकी मुझे बेहद खुशी है।